कैसे स्वर्गदूत मेरे पास आया, और उसका कार्याधिकार

और भाई लोग शायद हैं... मैं कुछ टेप रिकार्डरों को यहाँ पर देखता हूँ, और बिना किसी संदेह के वे इस बात को रिकार्ड कर लेंमे। कभी भी आप यह जानना चाहते हैं कि पवित्र आत्मा ने आप से क्या कहा था, आप उन भाईयों से जो कि यहाँ पर हैं और जिनके पास में टेप रिकार्डर हैं, मुलाकात कर सकते हैं, वे उनको फिर से चला सकते हैं, आप अपने मामले को ठीक प्रकार से समझ सकते हैं। और ध्यान दें और देखें यदि वैसा ठीक–ठीक नहीं होता है जैसा कि उसने कहा था, आप समझे। जब आप उस बात को कहते हुये सुनते हैं, "**यहोवा यूँ कहता है,** 'एक निश्चित बात, या यही वह तरीका है,'" या आप बस उस बात को जाँचें और यह देखें कि यदि वह बात सत्य है कि नहीं। समझे? हमेशा से ही ऐसा हुआ है।

2 अब, एक छोटी सी पृष्ठभूमी के लिये...और मैं एक प्रकार से आज रात्रि आन्नदित हूँ कि यहाँ पर बस हममें से कुछ ही लोग हैं। हम बस घर के ही लोग हैं, क्या हम नहीं हैं? हम नहीं हैं, हममें से कोई भी नहीं हैं, कोई भी अजनबी नहीं है। हम नहीं... मैं बस अपने केनटेकी व्याकरण का उपयोग कर सकता हूँ और अब मुझे ऐसा घर जैसा अनुभव हो रहा है क्योंकि हम हैं–हम बस हैं... और अब मैं केनटेकी के विषय में बस यों हीं नहीं कह रहा हूँ, क्या कोई यहाँ पर केनटेकी से है? आप अपने हाथ को ऊपर उठायें। कहें! मुझे बस घर जैसा अनुभव करना चहिये, क्या नहीं करना चाहिये? यह बहुत ही अच्छी बात है।

3 मेरी माँ एक अतिथि घर चलाती थी। और मैं वहाँ पर एक दिन पता लगाने के लिये गया... वहाँ पर एक बहुत सारे लोगों का झुण्ड रूका हुआ था, और एक बडी और लंबी मेज वहाँ पर रखी हुयी थी। और मैंने

कहा, ''आप में से कितने लोग यहाँ पर केनटेकी से हैं, आप खड़े हो जायें।'' सभी खड़े हो गये। और मैं उस रात्रि कलीसिया में वापस गया, अपनी कलीसिया में, और मैंने कहा, ''आप में से कितने लोग यहाँ पर केनटेकी से हैं?'' सभी खड़े हो गये। अतः मैंने कहा, ''अच्छा, यह बहुत अच्छी बात है।'' मिशनरीयों ने एक अच्छा कार्य किया है, अतः हम उस बात के लिये धन्यवादित हैं।

4 अब, रोमियों की पुस्तक, उसके 11वाँ अध्याय और उसकी 28वीं आयत। वचन के पड़े जाने को ध्यान से सुनें।

वे सुसमाचार के भाव से तो तुम्हारे बैरी हैं, परन्तु चुन लिये जाने के भाव से बापदादों के प्यारें हैं।

क्योंकि परमेश्वर अपने बरदानों से, और बुलाहटों से कभी पीछे नहीं हटता है।

5 आइये क्या हम प्रार्थना करें। प्रभु, आप हमारी इस रात्रि सहायता करें जबकि हम इसके पास बड़े आदरभाव से, अपने संपूर्ण हृदय से, सत्यनिष्ठा से आते हैं, केवल आपकी महिमा के लिये यह बातें बोली जाती हैं। और प्रभु, मेरी सहायता करें, और मेरे मन में केवल बस उन्हीं बातों को डालें जिन्हें कि बोला जाना चाहिये और यह कि कितना बोलना है। जब आपका समय हो जाये तो मुझे रोक दें। मैं यह प्रार्थना करता हूँ कि हर एक हृदय उन बातों को उन लोगों के हित के लिये ग्रहण करेगा जो कि सभा में बिमार हैं और आवश्यकता में हैं। क्योंकि मैं इस बात को यीशु मसीह के नाम में माँगता हूँ। आमीन।

6 अब, जबकि हम संख्या में कम हैं, मैं इस विषय के समीप जाना चाहता हूँ। और--और मैं यह यत्न करूंगा कि आप को बहुत देर तक न रखूं, मैं अपनी घड़ी को यहाँ पर रखूंगा और मैं अब अपनी भरसक कोशिश करूंगा कि आपको अच्छे समय पर छोड़ दूं ताकि आप कल रात्रि वापस आ सकें। अब, आप प्रार्थना में रहें। मैं यह नहीं सोचता हूँ

कि लड़के ने अभी तक कार्ड दिये होंगे। मैं उससे कभी नहीं पूछा कि क्या उसने... और यदि उन्होंने नहीं किया है या उन्होंने किया है या नहीं किया है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। हर हालत में हमारे पास यहाँ पर कार्ड हैं यदि हमें कुछ लोगों को बुलाने कि आवश्यकता पड़ती है। अतः, यदि यह नहीं हुआ है, क्यों, हम बस यह देखेंगे कि पवित्र आत्मा क्या कहता है।

7 अब, यदि आप ध्यान से सुनेंगे... अब, यह शायद... कि मैं... यहाँ पर हममें से कुछ ही लोग हैं, इस बात को कहने के लिये एक बहुत अच्छा समय है, क्योंकि इसका मतलब व्यक्तिगत रूप से मुझसे है। और यही कारण था कि मैंने इस वचन को आज रात्रि पड़ा, कि आप यह समझने पायें कि बरदान और बुलाहटें कुछ ऐसी चीजे नहीं हैं जो कि आपको आपकी अच्छाई के कारण प्राप्त होती हैं।

8 पौलूस जो कि यहाँ पर बोल रहा है, उसने कहा, "यहूदीयों को सुसमाचार के भाव से हमारे कारण परमेश्वर के प्रति अंधा कर दिया गया था।" परन्तु ठीक उसके पहले की आयत कहती है,"सारा ईस्त्राएल बचाया जायेगा।" चुने जाने के अनुसार, परमेश्वर पिता ने उनसे प्रेम किया और उनको अंधा किया ताकि हम अन्यजातियों को मन फिराने का स्थान मिल जाये, कि ईब्राहीम के द्वारा, उसका वंश उसके वचन के अनुसार सारे संसार को आशीषित कर सके। समझे, कि परमेश्वर की प्रधानता किस प्रकार से है? उसके वचन को बस होना ही है! वह बस और कुछ नहीं हो सकता है। और अब हम,...परमेश्वर ने हमें चुना है; उसने यहूंदी को चुना है; और उसने...

9 यह सभी चीजें परमेश्वर के पूर्व ज्ञान में हैं। जब उसने उनके विषय में बोला था कि वे क्या होंगे, वह इस बात को पहले से जानता था। अब परमेश्वर को, परमेश्वर होने के लिये आरंभ में उसको अंत जानना था अन्यथा वह अनंत परमेश्वर नहीं हो पाता। परमेश्वर यह नहीं चाहता है कि कोई नाश हो। निश्चित रूप से वह ऐसा नहीं चाहता है! वह यह नहीं चाहता है कि कोई नाश हो। परन्तु आरंभ में जब दिनों का

आरंभ हुआ था, संसार का आरंभ हुआ था, परमेश्वर इस बात को बस ठीक–ठीक जानता था कि कौन उद्धार पायेगा और कौन उद्धार नहीं पायेगा। वह यह नहीं चाहता था कि लोग भटक जायें, ''यह उसकी इच्छा नहीं है कि कोई भी भटक जाये, परन्तु यह उसकी इच्छा है कि सभी को बचा ले,'' परन्तु वह आरंभ से जानता था कि कौन बचेगा और कौन नहीं बचेगा। यही कारण है कि वह यह पहले से कह सकता था, ''यह बात घटित होगी। वह बात घटित होगी,'' या, ''यह ऐसा होगा। वह व्यक्ति उस प्रकार से होगा।'' समझे?

10 वह उस बात को पहले से जान सकता था क्योंकि वह अनंत है। यदि आप यह जानते हैं कि इस बात का क्या अर्थ है कि बस, ''कुछ भी ऐसी बात नहीं है जो कि वह न जानता हो।'' समझे, वह जानता है। अच्छा, समय से पहले कुछ भी नहीं है, और उस के बाद कुछ भी समय नहीं है, समझे, वह फिर भी सब बातों को जानता है। सब कुछ उसके मस्तिष्क में है। और तब फिर पौलूस ने रोमियों के 8वें अध्याय और नवें अध्याय में कहा, ''तब फिर वह क्यों अभी भी गलती निकाला करता है?''

11 जैसा कि सुसमाचार का प्रचार करना होता है। किसी ने कहा, ''भाई ब्रन्हम, क्या आप उस बात पर विश्वास करते हैं?''

मैंने कहा, ''देखिये।''

कहा, ''आप को कैलविनिस्ट होना चहिये।''

मैंने कहा, ''मैं तब तक कैलविनिस्टि हूँ जब तक कि कैलविनिस्ट बाईबिल में पाया जाता है।''

12 अब, वृक्ष पर एक डाली है, वह कैलविनवाद है, परन्तु वृक्ष पर और भी डालियें भी हैं। एक वृक्ष पर एक से अधिक डाली होती है। वह बस उस बात को अनंत सुरक्षा में ले जाना चाहता था, और कुछ देर के बाद आप सर्वमुक्तिवाद में चले जाते हैं और आप वहाँ कहीं पर गिर जाते

हैं, और उस बात को कोई अंत नहीं हैं। परन्तु जब आप कैलविनवाद से ऊब जाते हैं, आप फिर से ऊपर उठते हैं और आरमीनियनवाद आरंभ कर देते हैं। समझे, वृक्ष पर एक और डाली है, समझे, और एक और डाली है, बस बड़ती रहती है। सब चीजें मिलकर एक वृक्ष को बनाती हैं। अतः मैं ...कैलविनवाद पर विश्वास करता हूँ जबतक कि वह बात वचन के साथ में पायी जाती हो।

13 और मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर जगत की उत्पत्ति से पहले जानता था, उसने अपनी कलीसिया को मसीह में चुन लिया, और मसीह को जगत की उत्पत्ति से पहले घात किया। वचन ऐसा कहता है, ''वह परमेश्वर का मेमना था जिसको जगत की उत्पत्ति से पहले घात किया गया था।'' समझे? और यीशु ने कहा कि वह हमें जगत की उत्पत्ति से पहले से जानता था, पौलूस ने ऐसा कहा था, ''उसने–उसने हमें पहले से जाना और इससे पहले की संसार की कभी रचना होती, उसने हमें यीशु मसीह के लेपालक पुत्र होने के लिये पहले से ठहराया भी। वही परमेश्वर है। वही हमारा पिता है। समझे?

14 अतः आप चिन्ता न करें, पहिये बस ठीक प्रकार से घूम रहें हैं, सभी चीजें बस समय से होती जा रहीं हैं। केवल एक ही बात है, वह यह है कि आप पंक्ति में लग जायें। और यह उस बात का सबसे अच्छा भाग है, जब आप पंक्ति में लग रहे होते हैं तब आप यह जानते हैं कि कैसे कार्य करना है।

15 अब ध्यान दें, ''बरदान और बुलाहटें बिना मन फिराये हुये प्राप्त होती हैं,'' केवल यही तरीका था जिससे कि मैं प्रभु में अपनी बुलाहट को वचन में रख सका। और मैं इस बात का भरोसा कर रहा हूँ कि मैं आज रात्रि उन मित्रों के साथ में हूँ जो कि इस बात को निश्चित रूप से समझेंगे और यह नहीं सोचेंगे कि यह व्यक्गित बात है, परन्तु यह कि आप को एक समझ प्राप्त हो सके और बस यह जाननें पायें कि प्रभु ने क्या कहा है कि वह करेगा, और किसी चीज को चलता हुआ पायें और फिर उस बात में उसका अनुकरण करें।

16 अब, आरंभ में, पहली बात जो कि मुझे कभी स्मरण आती है वह एक दर्शन है। पहली बात जिसे मैं अपने मस्तिष्क में याद कर सकता हूँ वह यह दर्शन है जो कि प्रभु ने मुझे दिया था। और यह बात बहुत वर्षों पहले हुयी थी, मैं एक छोटा सा लड़का था। और मेरे हाथ में एक चट्टान थी।

17 अब, मैं क्षमा चाहता हूँ, मैं यह याद कर सकता हूँ जब मैं एक लम्बा वस्त्र पहने हुया था। मैं यह नहीं जानता हूँ कि क्या आप(और आप सभी) इस बात को याद करने के लिये बहुत बूढ़े हो चुके हैं जब बच्चे लम्बी पोशाकें पहना करते थे। आप में से कितने लोग जो कि यहाँ पर हैं जानते हैं ज़ब बच्चे पहना करते थे, हाँ, लम्बी पोशाकें पहना करते थे? अच्छा, मैं याद कर सकता हूँ, उस छोटी सी पुरानी झोपड़ी में जहाँ पर हम रहा करते थे, मैं जमीन पर रेंग रहा था। और यह कोई था, मैं यह नहीं जानता हूँ कि कौन था जो कि अन्दर आया। और मम्मी ने मेरे कपड़े में एक छोटा–छोटा सा नीला रिबन बुन दिया था। और मैं बस कठिनाई से चल पा रहा था। परन्तु तब मैं रेंग कर चल रहा था, और मैंने अपनी ऊँगली उनके पैरों पर बर्फ में फँसा ली, और उसे पैरों पर की बर्फ को मैं खा रहा था और आग जलाने के स्थान के पास में खड़ा हुआ था, गर्म हो रहा था। मुझे स्मरण है कि मेरी माँ ने मुझे उस बात के लिये झंझोड़ दिया था।

18 और फिर अगली बात जो कि मुझ स्मरण है, जो कि दो वर्ष बाद घटित हुयी होगी, मेरे पास एक छोटी चट्टान थी। और तब मैं लगभग तीन वर्ष का था, और मेरा छोटा भाई तब फिर बस दो वर्ष के लगभग नहीं हुआ होगा। और अतः हम पीछे के प्रांगण में थे जहाँ पर पुराना लकड़ी के टुकड़ों का प्रांगण था जहाँ पर वे लकड़ी को लाया करते थे और उसे काटा करते थे। आप में से कितनो को वे दिन स्मरण है जब आप अपने पीछे के प्रांगण में लकड़ी को खींच कर लाया करते थे और उसे काटा करते थे? आज भी मैंने टाई को क्यों पहन रखा है? मैं–मैं ठीक अपने घर पर हूँ।

19 तब फिर जब वे... वहाँ बाहर पुराने प्रांगण में जहाँ पर लकड़ी के टुकड़े थे, वहाँ पर एक छोटी सी शाखा थी जो कि सोते में से निकल कर आ रही थी। वहाँ पर सोते के पास एक पुराना सूखे कद्दू का बना हुआ डुबोनेवाला कटोरा था जिसको डुबोकर हम पानी को निकालते थे और पुरानी बालटी में रखते थे, और फिर उसे लेकर आते थे, वह बालटी पुराने देवदार की बनी हुयी थी।

20 मुझे स्मरण है कि अंतिम बार **मैंने** अपनी छोटी सी बूढ़ी दादी को देखा था इससे पहले कि उनकी मृत्यु हो, वह एक सौ दस वर्ष की थी। और जब उनकी मृत्यु हुयी, मैंने उनको अपनी हाथों में उठा लिया और उनके मृत्यु होने के ठीक पहले मैंने उनको इस प्रकार से पकड़ा। उन्होंने अपने हाथों को मेरे चारो ओर डाल लिया, और जब उनकी मृत्यु हुयी तो उन्होंने कहा, ''प्रिय, अब और हमेशा के लिये परमेश्वर तुम्हारे प्राण को आशीष दे,

21 और मैं यह नहीं सोचता हूँ कि उसके जीवन में उस स्त्री के पास कभी एक जोड़ी अपने जूते भी रहे होंगे। और मुझे स्मरण है जब मैं उन्हें देखा करता था, और यहाँ तक कि जब मैं युवा व्यक्ति था, मैं उन्हें देखने जाया करता था, प्रत्येक सुबह वह नंगे पैर उठ जाया करती थीं और बर्फ में से होते हुये उस सोते के पास जाया करती थीं, एक बाल्टी पानी लेकर वापस आया करती थीं, उनके पैर ठीक उस चीज में हुआ करते थे। अतः यह बात आपको चोट नहीं पहुंचाती है, वह एक सौ दस वर्षों तक जीवित रहीं। अतः (जी हाँ श्रीमान) वह बहुत ही हृष्ट–पुष्ट भी थीं।

22 अतः तब मुझे स्मरण आता है कि वह मुझे मेरे पिता के कंचो के विषय में बताने जा रहीं थीं जो कि वे खेला करते थे जब वे एक छोटे लड़के थे। ''और वह बेचारी बूढ़ी स्त्री,'' मैंने सोचा, ''वह कैसे उस अटारी में ऊपर जायेंगी?'' एक छोटा सा दो कमरों की झोपड़ी थी जिसमें ऊपर एक अटारी थी। और उन्होंने दो छोटे वृक्षों को काटा था, और ऊपर जाने के लिये एक सीढ़ी बनायी थी। अच्छा, मैंने कहा...

23 अच्छा, अब, उन्होंने कहा, "अब, रात के भोजन के बाद मैं तुम्हें बताने जा रही हूँ, तुम्हें तुम्हारे–तुम्हारे पापा के कंचो को दिखाने जा रही हूँ।"

और मैंने कहा, "ठीक है।"

24 अतः वह मुझे उनको ऊपर रखे हुये बक्से में दिखाने जा रहीं थीं, जहाँ पर उन्होंने अपनी चीजों को रख रखा था जैसे कि बूढ़े लोग रखा करते हैं। और मैंने सोचा, "कैसे इस संसार में ऐसा हो सकता है कि वह बेचारी बूढ़ी स्त्री उस सीढ़ी पर चढ़ेगी?" अतः मैं वहाँ पर गया और मैंने कहा, "दादी माँ," मैंने कहा, "अब, आप रूकें, मैं वहाँ ऊपर जाऊँगा और आपकी सहायता करूंगा।"

25 उन्होंने कहा, "तुम एक तरफ खड़े रहो।" वह उस सीढ़ी पर गिलहरी की तरह से गयीं। उन्होंने कहा, "अच्छा, आ जाओ।"

और मैंने कहा, "ठीक है दादी माँ।"

26 मैंने सोचा, "ओह मेरे परमेश्वर, यदि मैं बस उस प्रकार से होता, यदि मुझमें उतनी शक्ति होती जितनी की उनके एक सौ वर्ष के होने के बावजूद उनमें थी!"

27 अब, तब फिर मुझे स्मरण है कि मैं इस छोटी से सोते पर था, और मेरे हाथ में एक पत्थर था और मैं उसको इस प्रकार से मिट्टी में फेंक रहा था, अपने छोटे भाई को यह दिखाने का यत्न कर रहा था कि मैं कितना ताकतवर था। और वहाँ पर वृक्ष पर एक चिड़िया जो कि एक छोटी सी बूढ़ी रोबिन चिड़िया थी, बैठी हुयी थी और वह चीं–चीं कर रही थी और इधर–उधर उड़ रही थी। और, उस छोटी रौबिन चिड़िया ने मुझसे बात करी, ऐसा मैंने सोचा। और मैं मुड़ा और सुना, और वह चिढ़िया उड़ गयी, और एक आवाज ने कहा, "तुम अपने जीवन का एक

बहुत बड़ा भाग एक शहर में बिताने जा रहे हो जिसका नाम नया ऐलबैनी है।''

28 यह स्थान उस स्थान से तीन मील दूर है जहाँ पर मैं बड़ा हुआ था। एक वर्ष के बाद मैं एक ऐसे स्थान पर गया, जिसका मुझे कुछ भी अन्दाजा नहीं था कि मैं उस स्थान पर कभी जाऊँगा...नया ऐलबैनी। जीवन के सारे समयों में कैसे वे बातें...

29 अब देखिये, मेरे लोग धार्मिक नहीं थे। मेरे पिता और माता गिरजे नहीं जाते थे। इससे पहले वे कैथलिक थे।

30 मेरा छोटा भतीजा यहाँ कहीं आज रात्रि बैठा हुआ है, मेरा यह अनुमान है, मैं नहीं जानता हूँ। वह एक सैनिक है। मैं उसके लिये प्रार्थना कर रहा हूँ। वह स्वयं कैथलिक है, अभी भी कैथलिक है। और पिछली शाम को, जब वह यहाँ पर था और उसने उन परमेश्वर की बातों को देखा, वह ठीक यहाँ मंच पर खड़ा हुआ था। उसने यहाँ पर खड़े होकर कहा, ''बिल अंकल?'' वह बहुत समय से विदेश में था, उसने कहा, ''जब मैंने उस बात को देखा...'' कहा, ''यह–यह बात कैथलिक कलीसिया में घटित नहीं होती है।'' उसने कहा, ''वह..अंकल बिल, मैं–मैं विश्वास करता हूँ, आप ठीक हैं,'' उसने कहा।

31 और अतः मैंने कहा, ''प्रिय, यह मैं नहीं है जो कि ठीक है, यह वह है जो कि ठीक है। समझे, यह वह है जो कि ठीक है।'' और अतः उसने कहा...मैंने कहा, ''मेलविन, अब मैं तुम से यह नहीं कह रहा हूँ कि तुम कुछ न करो, परन्तु तुम बस यीशु मसीह की सेवा अपने संपूर्ण मन से करो। तुम जहाँ कहीं भी जाओ जहाँ तुम जाना चाहते हो। परन्तु तुम अपने हृदय में तुम निश्चित हो जाओ कि यीशु मसीह ने नये रूप में तुम्हारे हृदय में जन्म पाया है; समझे। तब फिर तुम उसके बाद में किसी भी गिरजे जाओ जहाँ पर तुम जाना चाहते हो।''

32 अब, मुझसे पहले के लोग कैथलिक थे। मेरे पिता आईरलैंड

वासी थे और मेरी माँ भी आईरलैंडवासी थीं। केवल एक ही बात में आईरलैंड का खून हमारी पीढ़ी के किसी व्यक्ति में नहीं था, मेरी दादी दक्षिणी अमेरीकी ईन्डियन थीं। मेरी माँ लगभग बस लगभग उससे आधी थीं। और अतः फिर मैं...मेरे लिये, यह मेरा...हमारी पीढ़ी थी, तीन के बाद में वह वह धूमिल हो गयी। पूर्ण रूप से आईरलैंडवासी होने में केवल यहीं पर वह कड़ी टूटी थी, उनका नाम हरवी और ब्रन्हम था। और फिर उस बात के पीछे लाईऔन्स लोग थे, जो कि फिर भी आईरलैंडवासी हैं। और फिर वे सभी कैथलिक थे। परन्तु मेरी, हमारा बच्चों के रूप में कोई भी धार्मिक प्रशिक्षण या शिक्षा बिलकुल भी नहीं हुयी थी।

33 परन्तु वे बरदान, वे दर्शन, मैं ठीक तभी से दर्शन देखा करता था जैसा कि मैं अभी करता हूँ, यह ठीक बात है, क्योंकि बरदान और बुलाहटें बिना मन फिराये हुये प्राप्त होती हैं। यह परमेश्वर के पूर्व ज्ञान में होता है, परमेश्वर कुछ कर रहा होता है। जीवन के सभी समयों में मैं उस बात के विषय में कुछ कहने से डरता था।

34 आप ने मेरी कहानी एक छोटी पुस्तक *"यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है"* में पढ़ी होगी। मैं यह सोचता हूँ कि यह बात किसी पुस्तक में है, इन दूसरी वाली पुस्तकों में है। क्या यह एक ठीक बात है, जीनी? क्या यह बात इस में है, उस नियमित–नियमित पुस्तक में है जो कि हमारे पास में अब है? क्या यह *मेरी जीवन कथा* में है? मैं यह सोचता हूँ कि यह इसमें है। तब फिर जब हमने... क्या यह दयनीय बात नहीं है? मेरी अपनी पुस्तकें, और मैंने उन्हें स्वयं कभी नहीं पढ़ा है। परन्तु कोई और उनको लिखता है, अतः फिर यह बस कोई ऐसी बात होती है जिसको कि वे सभा में लेते हैं। मैं उस बात से होकर गुजरा हूँ, अतः मैं हमेशा किसी और बात के होने की बाट जोह रहा हूँ। अतः फिर वे अच्छी हैं, मैंने अब उनके कुछ भागों को यहाँ और वहाँ से पढ़ा है, बस जैसे ही मुझको मौका मिलता है।

35 और अब, हर हालत में, जब मैं एक–एक छोटा लड़का था, आप जानते हैं कि कैसे उस दर्शन ने मुझसे बातचीत करी थी, मैं लगभग सात

वर्ष का था, और कहा, "तुम शराब न पीना या धूम्रपान करना या अपने शरीर को किसी भी प्रकार से दूषित करना, जब तुम बूढ़े हो जाओगे तो तुम्हारे लिये एक कार्य होगा।" और आपने इस बात को उस पुस्तक में पढ़ा होगा कि यह बताया गया है। अच्छा, यह ठीक बात है। सभी समयों में मेरे साथ यह बात घटती रही।

36 जब मैं एक सेवक बना, अच्छा, तब फिर यह—फिर यह वास्तव में सभी समय घटित होना आरंभ हुयी।

37 और एक रात्रि मैंने अपने प्रभु यीशु को देखा। मैं विश्वास करता हूँ कि मैं यह बात पवित्र आत्मा की आज्ञा से कह रहा हूँ। प्रभु का दूत जो आता है वह प्रभु यीशु नहीं है। उसी दर्शन में वह उसकी तरह से नहीं दिखता है। क्योंकि, जो दर्शन मैंने प्रभु यीशु मसीह का देखा था, उसमें वह एक छोटा सा मनुष्य था। वह नहीं था... मैं मैदान में बाहर था, अपने पिता के लिये प्रार्थना कर रहा था। और मैं वापस अन्दर आ गया और बिस्तर पर चला गया, और उस रात्रि मैंने उनकी ओर देखा और मैंने—मैंने कहा, "ओह परमेश्वर, उन्हें बचा लीजीये!"

38 मेरी माँ का पहले से उद्धार हो चुका था और मैंने उन्हें बपतिस्मा दिया था। फिर मैंने सोचा, "ओह, मेरे पिता इतनी शराब पीते हैं।" और मैंने सोचा, "यदि मैं बस उनसे प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण करवा लूं!"मैं बाहर गया, आगे के कमरे में द्वार के पास मैं एक छोटे से पुराने पलंग पर लेट गया।

39 और किसी ने मुझसे कहा, "खड़े हो जाओ।" और मैं खड़ा हुआ, चलने लगा, और मेरे पीछे जो मैदान था, उसमें चला गया, यह मैदान पुराने ब्रूम सेज पौधों का था।

40 और वहाँ पर मुझसे दस फिट की दूरी से ज्यादा दूरी पर नहीं, एक व्यक्ति खड़ा हुआ था; उसने सफेद वस्त्र पहन रखे थे, वह छोटा सा व्यक्ति था; उसके हाथ इस तरह से लिपटे हुये थे; उसकी एक दाढ़ी थी

जो कि छोटी थी; उसके बाल उसके कंधे तक थे; और वह मुझसे दूर एक ओर देख रहा था, इस प्रकार से; वह एक शान्त सी दिखने वाली आकृति थी। परन्तु मैं उसको समझ न सका, कि कैसे उसका पैर बस एंक के पीछे एक था। और हवा चल रही थी, उसका वस्त्र हिल रहा था, और पौधे हिल रहे थे।

41 मैंने सोचा, "अब, एक मिनट रूको।" मैंने अपने आप को नोचा। मैंने कहा, "अब, मैं सोया हुआ नहीं हूँ।" और मैंने तोड़ा, उस सेज पौधे का एक छोटा सा टुकड़ा तोड़ा, आप जानते हैं, मैंने उससे एक दाँत को खोदने वाला टुकड़ा बनाया। मैंने उसे अपने मुँह में रखा। मैं घर की ओर पीछे देखा। मैंने कहा, "नहीं, मैं वहाँ पर पापा के लिये प्रार्थना कर रहा था, और किसी ने मुझसे कहा कि बाहर आ जाओ, और यहाँ पर एक व्यक्ति खड़ा है।"

42 मैंने सोचा, "वह प्रभु यीशु की तरह से लगता है।" मैंने सोचा, "मैं आश्चर्य करता हूँ कि क्या यह वही है?" वह बस ठीक सीधे उस तरफ देख रहा था जहाँ पर अभी हमारा घर था। अतः मैं इस ओर यह देखने के लिये मुड़ा कि यदि मैं उसको देख पाता हूँ। और मैं इस प्रकार से उसके चेहरे के एक ओर देख सकता था। परन्तु वह... मुझे उसे देखने के लिये इस ओर पूरा घूमना पड़ा ताकि मैं उसे देख सकूं। और मैंने कहा, "ऊँहम्म्!" इस बात ने उसको नहीं हिलाया। और मैंने सोचा, "मैं विश्वास करता हूँ कि मैं उसे पुकारूंगा।" और मैंने कहा, "यीशु।" और जब उसने ऐसा किया, उसने इस प्रकार से देखा। यही सब कुछ मुझे स्मरण है, उसने बस अपने हाथों को फैला लिया।

43 संसार में कोई भी चित्रकार नहीं है जो कि उसकी तस्वीर को कभी बना सकता है, उसके चेहरे के गुणों को बना सकता है। सबसे अच्छी तस्वीर जो कि मैंने देखी है वह हाफमैन के द्वारा बनाया गया चित्र है जिसका नाम है *मसीह का सिर 33 वर्ष में* , मैंने उस चित्र को अपने सारे साहित्य पर और उन सभी चीजों पर लगाया है जिसका उपयोग मैं करता हूँ। यह इसलिये है क्योंकि वह बस **उसी** की तरह से लगता है,

और अतः तब... या दिखने में उसके बहुत करीब, इतना करीब जितना कि वह हो सकता है।

44 वह एक व्यक्ति की तरह से लगता था कि यदि वह बोल दे तो संसार अंत पर आ जाये, और फिर भी उसके अंदर इतनी अधिक दया और प्रेम था जब तक कि आप... मैं वहीं पर रूक गया। और दिन निकलने पर, मैंने अपने आप को पौ फटने पर पाया कि मेरी ढीली शर्ट आँसुओं से भीग गयी थी, जब मैं अपने आपे में आया, तब मैं वापस उस ब्रूम सेज पौधे के मैदान से होता हुआ घर गया।

45 मैंने यह बात अपने एक सेवक मित्र को बताई। उसने कहा, "बिली, यह बात तुम को पागल कर देगी।" उसने कहा, "यह शैतान है।" और कहा, "तुम उस प्रकार की चीजों में अपना समय बर्बाद न करो।" मैं उस समय बैपटिस्ट सेवक था।

46 अच्छा, मैं अपने एक ओर बूढ़े मित्र के पास में गया। मैं नीचे बैठा और उसको उस बात के विषय में बताया। मैंने कहा, "भाई, आप उस विषय में क्या सोचते हैं?

47 उसने कहा, "अच्छा बिली, मैं तुम को बताता हूँ।" उसने कहा, "मैं यह विश्वास करता हूँ कि यदि आप अपने जीवन को बचाना चाहते हो, बस उस बात को प्रचार करो जो कि बाईबिल में है, परमेश्वर का अनुग्रह और ऐसी ही बातें, मैं उस प्रकार की किसी काल्पनिक बात के पीछे नहीं जाऊँगा।"

48 मैंने कहा, "श्रीमान, मेरा मतलब किसी काल्पनिक बात के पीछे जाने से नहीं है।" मैंने कहा, "केवल एक ही बात का पता लगाने का यत्न मैं कर रहा हूँ कि यह क्या बात है।"

49 उसने कहा, "बिली, वर्षों पहले कलीसियाओं में ऐसी बातें हुआ करती थीं। परन्तु," कहा, "जब प्रेरित समाप्त हो गये, तो यह बातें उनके

साथ में समाप्त हो गयीं।'' और कहा, ''अब केवल एक ही बात है जो कि हमारे पास में है वह यह है कि...कोई भी इस प्रकार की चीजों को यदि देखता है,'' कहा, ''तो यह प्रेतआत्मावादी और शैतान होते हैं।''

मैंने कहा ''ओह भाई मक्किनि, क्या आप का यह मतलब है?''

उन्होंने कहा, ''हाँ श्रीमान।''

मैंने कहा, ''ओह परमेश्वर, आप मेरे ऊपर दया करें!''

50 मैंने कहा, ''मैं–मैं...ओह भाई मक्किनि, क्या आप–क्या आप मेरे साथ इस प्रार्थना में शामिल होंगे कि परमेश्वर एसी बात को मेरे साथ कभी होने न दे? आप जानते हैं कि मैं उससे प्रेम करता हूँ और मैं इन बातों में गलत होना नहीं चाहता हूँ।'' मैंने कहा, ''आप मेरे साथ प्रार्थना करें।''

51 उन्होंने कहा, ''भाई बिली, मैं ऐसा करूंगा।'' और फिर हमने उनके सेवक आवास पर ठीक वहीं पर प्रार्थना करी।

52 मैंने अनेक प्रचारकों से पूछा। वही बात निकल कर आयी। तब फिर मैं उनसे वह बात पूछने में डरने लगा क्योंकि वे यह सोचने लगते कि मैं शैतान हूँ। अतः मैं–मैं उस प्रकार से नहीं होना चाहता था। मैं अपने हृदय में जानता था कि कुछ घटित हुआ है। अब, बस यही बात है, मेरे हृदय में कुछ था जो कि घटित हुआ था। और मैं कभी भी उस प्रकार से नहीं होना चाहता था।

53 अतः बाद के वर्षों में, मैं एक दिन पहले पहले बैपटिस्ट गिरजे में सुना जहाँ का मैं एक समय सदस्य था, मैंने किसी को कहते हुये सुना, ''तुमको वहाँ पर जाना चाहिये था और पिछली रात्रि उन पवित्र पाखंडियों को जाकर सुनना चाहिये था।''

54 और मैंने सोचा, "पवित्र–पाखंडी?" और मैंने अपने एक मित्र वाल्ट जॉनसन से जो कि मन्द्र गायक हैं, कहा, भाई वाल्ट, वह क्या बात थी?"

उसने कहा, "पिन्तेकोस्तल लोगों का एक झुण्ड।"

मैंने कहा, "क्या?"

55 उसने कहा, "पिन्तेकोस्तल लोग!" कहा, "बिली, यदि तुम उनको कभी देख पाते हो," कहा, "वे फर्श पर चहल कदमी कर रहे थे और ऊपर नीचे उछल कूद रहे थे।" और कहा, "उन्होंने यह कहा कि उनको किसी प्रकार की अन्य भाषा में बड़बड़ाना पड़ता है अन्यथा उनका उद्धार नहीं हुआ है।"

और मैंने कहा, "ऐसा कहाँ पर होता है?"

56 "ओह," कहा, "एक छोटी सी पुराने टेन्ट के अन्दर वहाँ पर सभा में, जो कि लुईविले के दूसरी ओर है।" कहा, "अश्वेत लोग।"

और मैंने कहा, "ऊँह।"

और उसने कहा, "वहाँ पर बहुत सारे सफेद लोग भी हैं।"

मैंने कहा, "क्या उन्होंने भी वैसा किया था?"

कहा, "हाँ, हाँ! उन्होंने भी वैसा किया था।"

57 मैंने कहा, "यह हास्यजनक बात है, कि लोग उस प्रकार की बातों में अपने आप को मिला लेते हैं।" मैंने कहा, "अच्छा, मेरा अनुमान है कि हमारे पास बस उन बातों को होना ही है।" रविवार की प्रातः मैं कभी भुला नहीं सकता हूँ। वह संतरे के सूखे हुये छिलकों के एक टुकड़े

को जो बदहजमी उसको हो गयी थी, उसके कारण खा रहा था, और मैं बस इस बात को उतनी अच्छी तरह से देख सकता था जितना कि मैं कल देख सकता था। और मैंने सोचा, "बड़बड़ाना, और ऊपर नीचे कूदना, अब अगली बार उनको किस प्रकार का धर्म प्राप्त होने जा रहा है?" और अतः मैं–मैं आगे चला गया।

58 उस बात के बाद मैं एक बूढ़े पुरूष से मिला जो कि शायद अभी कलीसिया में हो, या वो यहाँ कलीसिया में था, जिसका नाम जॉन रेयान था। और मैं उससे एक स्थान पर मिला... वह एक बूढ़ा व्यक्ति था और उसकी लम्बी दाढ़ी और लम्बे बाल थे, और शायद वह यहाँ पर हो सकता है। मैंने सोचा कि वह यहाँ पर बेन्टन हार्बर, दाऊद का घर नामक कलीसिया से यहाँ पर आया है।

59 और उनके पास लुईविले में एक स्थान था। मैं उन लोगों का पता लगाने का यत्न कर रहा था, और वे उसको भविष्यद्वक्ताओं का विधालय कहते हैं। अतः मैंने सोचा कि मैं वहाँ पर जाऊँ और देखूं कि वह क्या था। अच्छा, मैंने किसी को फर्श पर चहल कदमी करते हुये नहीं देखा, परन्तु उनके पास कुछ विचित्र मत थे। और यही वह स्थान था जहाँ पर मैं इस बूढ़े व्यक्ति से मिला था, उसने मुझे निमंत्रण दिया कि मैं उसके स्थान पर आऊँ।

60 मैं छुट्टियों में वहाँ ऊपर गया। और मैं वहाँ पर एक दिन था, और मैं उसके घर वापस गया और वह जा चुका था, और वह ईन्डियानापोलीस में कहीं पर गया था। उसकी पत्नी ने कहा, "प्रभु ने उसको बुलाया है।"

मैंने कहा, "आपको तात्पर्य यह है कि आपने एक व्यक्ति को बस इसी प्रकार से जाने दिया?"

61 उसने कहा, "ओह, वह परमेश्वर का दास है!" मैंने सुना कि उस बेचारे बूढ़े व्यक्ति कि कुछ सप्ताह पहले मृत्यु हो गयी। और वह उसको समर्पित थी। ओह मेरे परमेश्वर, इसी प्रकार की पत्नी ही होनी चहिये!

यह ठीक बात है। सही है या गलत, हंर हालत में वह ठीक है! मैंने कहा, "...अच्छा, मैं जानता था कि वे...

62 अब वह... भाई रेयान क्या आप यहाँ पर हैं? वह नहीं है। लड़कों, वह दूसरे दिन यहाँ पर था, क्या वह नहीं था?

63 अच्छा, वे बस उसके सहारे जीवन को व्यतीत करते हैं जो भी कुछ चीज उन को मिल जाती है, और घर में उनके पास खाने के लिये कुछ भी नहीं था। यह ठीक बात है। और मैंने तालाब से कुछ मछलियां पकड़ी थीं या मिशिगन की झील में से पकड़ी थीं, और मैं वापस आया–और मैं इस स्थान पर वापस आया। और मछली को पकाने के लिये घर में उनके पास लार्ड(पकाने के लिये चर्बी) या तेल नहीं था, जिससे कि वे मछली को पका सकते थे। और मैंने कहा, "घर में कोई चीज हुये बिना वह आपको छोड़कर चले गये हैं?"

कहा, "ओह, परन्तु वे परमेश्वर के दास हैं, भाई बिल!" कहा, "वह..."

64 और मैंने सोचा, "अच्छा, तुम्हारा बूढ़ा हृदय आशीषित हो। भाई, मैं ठीक आपके साथ में खड़ा रहूंगा।" यह ठीक बात है। "आप अपने पति के लिये बहुत सोचती हैं, मैं आपके साथ उस बात में जुड़ने के लिये और आपके साथ खड़े रहने के लिये तैयार हूँ।" यह ठीक बात है। आज हमें उस प्रकार से और स्त्रियों की आवश्यकता है, और उस प्रकार के और पुरूषों की आवश्यकता है जो कि उसे प्रकार से अपनी पत्नियों के विषय में सोचते हैं। यह ठीक बात है। अमेरिका और भी बेहतर हो जायेगा यदि पति और पत्नी उस प्रकार से मिल जायें। चाहे वे गलत हों या सही हों, उनके साथ में बने रहें। तब बहुत से तालाक नहीं होंगे।

65 अतः हम–हम वहाँ पर... गये। तब फिर मैं आगे चला गया। और वापस घर जाते हुये, यह एक विचित्र बात थी कि मैं मिशावाका से होकर आया था। और मैंने अब छोटी–छोटी पुरानी कारों को देखा, जो कि

सड़को पर चल रहीं थीं, जिनका नाम... उनपर बड़े चिन्ह लगे हुये थे जिनपर ''केवल यीशु'' लिखा हुआ था। मैंने सोचा, ''इसका क्या...'केवल यीशु,' यह धार्मिक बात होगी।'' और मैं वहाँ पर गया और साईकलों पर ''केवल यीशु'' लिखा था। कैडिलक, मॉडल टी फार्ड कारें और हर एक प्रकार की कारें थीं, उनपर ''केवल यीशु'' लिखा हुआ था। मैंने सोचा, ''अच्छा, मैं आश्चर्य कर रहा हूँ कि यह क्या है?''

66 अतः मैं उनके पीछे गया; यह पता लगाया कि वह एक धार्मिक सभा थी, वहाँ पर पन्द्रह सौ से लेकर दो हजार लोग थे। और मैंने सुना कि सभी चिल्ला रहे थे और ऊपर नीचे कूद रहे थे, और इसी प्रकार से कर रहे थे। मैंने सोचा, ''यहाँ पर मैने देखा है कि पवित्र पाखंडी कौन होते हैं।''

67 अतः मेरे पास मेरी पुरानी फार्ड कार थी, आप जानते हैं, जिसके लिये मैं यह दावा करता था कि वह एक घंटे में तीस मील चलती है, पन्द्रह इस ओर और पन्द्रह इस ओर ऊपर और नीचे। अतः मैंने उसको एक तरफ किया, मैंने... जब मैंने गाड़ी खड़ी करने के स्थान को पा लिया, और सडक पर वापस चलकर गया। अन्दर गया, चारों ओर देखा, और सभी जो कि खड़े हो सकते थे, खड़े हुये थे। मुझे उनके सिरों के ऊपर से होकर देखना पड़ा। और वे चिल्ला रहे थे, और कूद रहे थे, और गिर रहे थे, और ऐसे ही कार्यकलापों को कर रहे थे। मैंने सोचा, ''क्या बात है,ऊँह, यह क्या ही लोग हैं!''

68 परन्तु जितनी अधिक देर तक मैं वहाँ पर खड़ा रहा, उतना ही अच्छा मुझे लगने लगा। मैंने सोचा, ''यह बहुत ही अच्छी प्रतीत होता है।'' मैंने सोचा, ''उन लोगों के साथ कुछ गड़बड़ नहीं लगता। वे पागल नहीं हैं। मैंने उनमें से कुछ के साथ में बातचीत करी थी, अतः वे–वे अच्छे लोग थे। अतः मैंने कहा...

69 अच्छा, अब यह वही सभा है जिसमें कि उस रात्रि गया था और पूरी रात्रि रूका था, और दूसरी रात्रि मैं अन्दर गया था। और आप ने मुझे

इस बात को अपनी जीवन कथा में कहते हुये सुना होगा। मैं मंच पर एक सौ पचास लोंगों के साथ में था, या दो सौ सेवक थे, और हो सकता है कि ज्यादा हों, और वे हर एक से यह चाहते थे कि अपने हाथ को ऊपर उठायें और यह कहें कि वे कहाँ से आये हैं। और मैंने कहा, "प्रचारक विलियम ब्रन्हम, जैफरसनविले," और मैं बैठ गया, "बैपटिस्ट," फलाने और बैठ गया। हर एक जन यह बता रहा था कि वह कहाँ से आया है।

70 अतः अगली प्रातः जब मैं वहाँ अन्दर गया... उस रात्रि मैं सारी रात्रि मैंदान में सोया था, और अपनी पैंट को फार्ड कार की दो सीटों में दबा दिया था, आप जानते हैं, और मैं—मैं... एक हल्के कपड़े की बनी हुयी पैंट, और एक छोटी टी शर्ट थी, आप जानते हैं। अतः अगली सुबह मैं सभा में गया, मैंने छोटी टी शर्ट पहन रखी थी। मैं गया था...

71 मेरे पास तीन डालरों से ज्यादा पैसे नहीं थे, और घर जाने के लिये मुझे पर्याप्त पेट्रोल चाहिये था। और फिर मैंने—मैंने अपने लिये कुछ रोलों को लिया, जो कि पुराने थे, आप जानते हैं, परन्तु मैं ठीक था। और मैं एक पानी के स्त्रोत के पास गया, अपने लिये एक ग्लास पानी लिया, आप जानते हैं, और वे बहुत अच्छे थे। अतः मैंने उनको थोड़ा सा डुबोया, और नाश्ता किया।

72 अब, मैं उनके साथ खा सकता था, अब, वे दिन में दो बार खाना खाते थे। परन्तु मैं दान में कुछ भी न डाल सका, अतः मैं उनके सहारे नहीं रहना चाहता था।

73 अतः फिर मैं—फिर मैं उस प्रातः अन्दर गया, उन्होंने कहा...मुझे बस इस बात का यह वाला भाग बताना है। और अतः वहाँ उस प्रातः गये, और उन्होंने कहा, "हम विलियम ब्रन्हम को खोज रहे हैं, जो कि एक युवा प्रचारक है जो कि मंच पर पिछली रात्रि आया था, वह बैपटिस्ट है।" कहा, "हम चाहते हैं कि इस प्रातः वह संदेश लेकर आये।" मैं यह देखा कि उन लोगों का झुण्ड मेरी बहुत ही खिंचाई करने जा रहा है, मैं एक बैपटिस्ट था। अतः मैं बस एक प्रकार से अपनी सीट में नीचे जल्दी से

बैठ गया। मैंने हल्के कपड़े की पैंट और टी शर्ट पहन रखी थी; आप जानते हैं, और हम याजकीय कपड़े पहना करते थे, अतः और इस प्रकार से सीट पर बैठा हुआ था। अतः उसने दो या तीन बार पूछा। और मैं एक अश्वेत भाई के पास में बैठा हुआ था।

74 और जिस कारण से उन्होंने यह सभा पूर्व में आयोजित करी थी वह यह था कि पश्चिम में तब फिर अलगाव हो रहा था। अतः वे उसको पश्चिम में नहीं कर सके थे।

75 अतः मैं आश्चर्य कर रहा था कि ''केवल यीशु'' के विषय में क्या बात थी। और मैंने सोचा, ''जब तक कि यह यीशु है, तो यह एक ठीक बात है। अतः इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि चाहे वह... वह किस प्रकार से है, बस जब तक कि वह है।''

76 अतः मैं वहाँ पर थोड़ी देर तक बैठा रहा और उन्हें देखता रहा, और अतः उन्होंने दो या तीन बार और पुकारा। और इस अश्वेत भाई ने मेरी ओर देखा, उसने कहा, ''क्या तुम उसको जानते हो?'' मैं–मैं–मैं... वहाँ पर निर्णय का समय आ गया था। मैं उस व्यक्ति से झूठ नहीं बोल सकता था, मैं झूठ नहीं बोलना चाहता था।

मैंने कहा, ''देखिये भाई। हाँ, मैं उसको जानता हूँ।''

उसने कहा, ''अच्छा, तुम जाकर उसको बुला कर लाओ।''

77 मैंने कहा, ''अच्छा, मैं–मैं तुमको बताता हूँ, भाई,'' मैंने कहा, ''मैं ही वह हूँ। परन्तु आप देखो,'' मैंने कहा, ''देखो, मैं... यह हल्के कपड़े की पैंट।''

''वहाँ ऊपर जाओ।''

78 और मैंने कहा, ''नहीं, मैं वहाँ पर ऊपर नहीं जा सकता हूँ,'' मैंने

कहा, ''इस पैंट के साथ में इस प्रकार से, और इस छोटी सी टी शर्ट पहने हुये।''

कहा, ''वे लोग इस बात की परवाह नहीं करते हैं कि तुम कपड़े कैसे पहनते हो।''

79 और मैंने कहा, ''अच्छा, देखो, तुम उस बात को नहीं बताना। सुना तुमने?'' मैंने कहा, ''समझे, मैंने यह हल्के कपड़े की पैंट पहनी हुयी है, मैं वहाँ पर ऊपर नहीं जाना चाहता हूँ।''

कहा, ''कोई यह जानता है कि विलियम ब्रन्हम कहाँ पर है?''

उसने कहा, ''वह यहाँ पर है! वह यहाँ पर है!''

80 ओह मेरे परमेश्वर! मेरा चेहरा लाल हो गया, आप जानते हैं; और मैंने कोई टाई पहने हुये नहीं थी, आप जानते हैं; और यह छोटी सी पुरानी टी शर्ट, आप जानते हैं, और उसकी इस प्रकार से छोटी बाहें थी। और अपने जलते हुये कानों के साथ में मैं वहाँ ऊपर तक चलकर गया। मैं कभी भी माईक के आस पास नहीं गया था।

81 और अतः मैंने वहाँ ऊपर प्रचार करना आरंभ किया, और मैंने एक मूल पाठ को लिया, मैं उसे कभी नहीं भूल सकता हूँ, ''धनी व्यक्ति ने अपनी आँखें अद्योलोक में उठायीं, और फिर वह चिल्लाया।'' मैंने, बहुत सी बार, छोटी सी तीन बातों पर उस प्रकार से प्रचार किया है, ''आओ एक व्यक्ति को देखो,'' ''क्या तुम इस बात पर विश्वास करते हो?'' या ''फिर वह रोया।'' और मैं कहता रहा, ''कोई फूल नहीं है, और फिर वह रोया। कोई प्रार्थना सभा नहीं है, फिर वह रोया। कोई बच्चे नहीं हैं, फिर वह रोया। कोई गाने नहीं हैं, और फिर वह रोया।'' तब फिर मैं रोया।

82 अतः जब सब कुछ समाप्त हो गया, क्यों, ओह मेरे परमेश्वर, वे

बस... वे सभी मेरे चारो ओर थे, वे यह चाह रहे थे कि मैं ओर उनके लिये सभायें करूं। और मैंने सोचा, "कहो कि शायद मैं एक पवित्र पाखंडी हूँ!" समझे? अतः मैंने सोचा, "शायद..." समझे, वे इतने अच्छे लोग थे।

83 और मैं वहाँ पर बाहर चलकर गया। एक व्यक्ति था जिसने कावबौय जूतों का एक जोड़ा पहन रखा था, और एक बड़ी कावबाय टोपी पहन रखी थी, मैंने कहा, "तुम कौन हो?"

उसने कहा, "मैं फलाना–फलाना टेक्सास से आया एल्डर हूँ।"

मैंने सोचा, "अच्छा, वह दिखता था..."

84 एक और व्यक्ति उन छोटी सी न्यु यार्क की पैटों को पहने हुये चलकर आया, आप जानते हैं, वे उन पैटों को पहने हुये गाल्फ खेला करते हैं, और एक छोटा सा जरसी स्वेटर पहने हुये आया। उसने कहा, "मैं फ्लोरिडा से आया फलाना–फलाना आदरणीय सेवक हूँ। क्या तुम करोगे..."

85 मैंने सोचा, "लड़के, मैं इन हल्के कपड़ों की पैंट और टी शर्ट के साथ ठीक घर पर हूँ। वह बस एक अच्छी बात है।"

86 अतः, आप ने उन बातों पर मेरी जीवन कथा को सुना है, अतः मैं यहाँ पर रूकूंगा और आप को कुछ ऐसी बात बताऊँगा जो कि मैंने आपको कभी नहीं बतायी है। पहली बात जो मैं आपसे पूछना चाहता हूँ. ..मैं उस बात को छोड़ने जा रहा था। मैं अपने जीवन में इस बात को कभी भी जन समुदाय में नहीं कहा है। यदि आप मुझसे प्रतिज्ञा करते हैं कि आप मुझसे प्रेम करेंगे और मेरे इस बात को कहने के बाद मुझे उतना ही प्रेम करने का यत्न करेंगे जितना कि मैं इस बात को कहने के पहले करता हूँ, अपने हाथ को उठाइये। ठीक है। यह आपकी प्रतिज्ञा है, मैं आपको उस बात को थामने के लिये आपकी सहायता करूंगा।

87 उस रात्रि उस सभा में बैठे हुये, जब वे अपने गानों को गाते थे, वे अपने हाथों से ताली बजाते थे। और वे गाते थे, "मैं..."उस छोटे से गाने को गाते थे, "मैं जानता हूँ कि वह लहु था। मैं जानता हूँ कि वह लहु था।" और वे गलियारे में आगे और पीछे भागते थे, और सभी कुछ करते थे, और बस चिल्लाते थे और प्रभु की स्तुति करते थे। मैंने सोचा, "यह बात सुनने में मुझे बहुत अच्छी लगती है।" मैंने आरंभ...

88 और वे हर समय प्रेरितों के कार्य, प्रेरितों के कार्य 2:4, प्रेरितों के कार्य 2:38, प्रेरितों के कार्य 10:49 का हवाला देते थे। मैंने सोचा, "यदि कहा जाये तो यह वचन है! मैंने बस उस प्रकार से पहले होते हुये नहीं देखा था।" परन्तु ओह मेरा हृदय जल रहा था, मैंने सोचा, "यह अद्भुत है!" जब मैं उनसे पहली बार मिला था तब मैंने सोचा था कि वे पवित्र पाखंडी हैं, और मैंने सोचा, "ओह मेरे परमेश्वर! अब वे स्वर्गदूतों का एक झुण्ड है।" समझे, मैंने अपने दिमाग को बहुत जल्दी बदल दिया।

89 अतः अगली प्रातः जब प्रभु ने मुझे इन सभाओं को करने का एक महान मौका दिया, मैंने सोचा, "ओह मेरे परमेश्वर, मैं इन लोगों के झुण्ड के साथ होऊँगा! यह एक प्रकार से जैसा कि वे उसे कहा करते थे, "चिल्लाने वाले मेथोडिस्ट" होंगे। मैं बस थोड़ा सा और आगे गया," मैंने सोचा। "शायद यही वह बात है।" अतः मैंने सोचा, "अच्छा, मैं...मैं उस प्रकार से निश्चित हूँ। ओह, उनके विषय में कुछ बात है जो कि मुझे अच्छी लगती है, वे नम्र और मधुर हैं।"

90 अतः एक बात थी जो कि मैं समझ न पाया, वह थी उनका अन्य भाषाओं में बोलना, उस बात ने मुझे कर दिया। और मैं... एक व्यक्ति था, वह यहाँ पर बैठा हुआ था और एक वहाँ पर बैठा हुआ था, और वे झुण्ड के अगुवे थे। यह वाला खड़ा होता था और अन्य भाषा में बोलता था, यह वाला उसका अनुवाद करता था और सभाओं के विषय में और ऐसी ही बातों को बोलता था। मैंने सोचा, "ओह मेरे परमेश्वर, क्या बात है, मुझे उस बात को पढ़ना होगा!" अतः फिर उन्होंने ऐसा अदल बदल कर किया, उस वाले पर गिरा और फिर से उस वाले पर गिरा; और हर एक

अन्य भाषा में बोलते थे और अनुवाद करते थे। बाकि की कलीसिया भी बोलती थी, परन्तु ऐसा नहीं लगता था कि इन दो व्यक्तियों की तरह से अनुवाद आ रहा हो। अब, मैंने देखा कि वे दोनो एक साथ नजदीक बैठे हुये थे, मैंने सोचा, "ओह मेरे परमेश्वर, उनको स्वर्गदूत होना ही चहिये!" अतः वहाँ पर पीछे बैठे हुये...

91 वह बात जो भी कुछ होती थी(आप जानते हैं) जो कि मैं पता नहीं लगा सकता था, वह बात मेरे ऊपर प्रगट हो जाती थी। और बातों को जानने का मेरे पास एक तरीका है यदि प्रभु चाहता है कि मैं उसको जानू, आप जानते हैं। और मैं नहीं... यही कारण है कि मैं यह कहता हूँ कि मैं इस बात को नहीं बताता हूँ, जन समुदाय में कभी नहीं। यदि मैं वास्तव में कुछ बात पता लगाना चाहता हूँ, अक्सर प्रभु मुझे उन बातों के विषय में बताता है। बरदान इसी लिये है, आप समझे। अतः आप बस लोगों के सामने उस बात को डाल नहीं सकते हैं, यह सुअरों के आगे अपने मोतीयों को डालने के सामान होता है। यह पावन बांत है, पवित्र बात है, और आप उस बात को करना नहीं चाहते हैं। अतः, परमेश्वर मुझे जिम्मेदार ठहरायेगा। जैसा कि भाईयों से और ऐसे ही लोगों से बातचीत करना होता है, मैं एक भाई के विषय में कुछ दुष्ट बात का पता लगाने का यत्न नहीं करूंगा।

92 एक बार मैं मेज पर एक व्यक्ति के साथ में बैठा हुआ था, उसने अपने हाथों को मेरे चारो ओर डाल कर कहा, "ओह भाई ब्रन्हम, मैं अपसे प्रेम करता हूँ।" और मैं इस बात को महसूस करता रहा कि कुछ चल रहा था। मैंने उसकी ओर देखा। उसने मुझे वह बात न बताई होती; मैं यह जानता था कि उसने यह नहीं किया है, समझे, क्योंकि वह बात वहाँ पर थी। यदि कोई पूर्णतया पाखंडी व्यक्ति था तो वही व्यक्ति था, समझे, और ठीक वहाँ पर उसने अपने हाथ मेरे चारों ओर डाले हुये थे।

93 मैंने कहा, "अच्छा, ठीक है," और मैं चला गया। मैं उस बात को जानना नहीं चाहता था। मैं बस उसे उस प्रकार से जानना पसन्द करूंगा जिस प्रकार से मैं उसे जानता हूँ, एक भाई की तरह से, और उसे बात

को वैसे ही छोड़ दूंगा। परमेश्वर को बाकि का कार्य करने दूंगा। समझे? और मैं नहीं चाहता हूँ... नहीं जानता हूँ, उन बातो को जानना नहीं चाहता हूँ।

94 और बहुत सी बार यह बातें, यह इस कलीसिया में नहीं होती हैं। मैं एक कमरे में बैठा हुआ होऊँगा, रेस्तरां में बैठा हुआ होऊँगा, और पवित्र आत्मा मुझे इन बातों को बताता है जो कि घटित होने वाली होती हैं। लोग जो कि ठीक यहाँ पर हैं वे जानते हैं कि यह सत्य बात है। मैं अपने घर पर बैठता हूँ और मैं कहता हूँ, "अब, सावधान रहो, कुछ छणों के बाद एक कार आने वाली है। वह अमुक–अमुक व्यक्ति होगा। उन्हें अन्दर ले जाना, क्योंकि प्रभु ने कहा है कि वे यहाँ पर होंगे।" "जब हम सड़क पर जायेंगे, वहाँ पर अमुक–अमुक बात घटित होगी। वहाँ पर उस चौराहे पर ध्यान देना, क्योंकि तुम्हारी टक्कर लगभग होते होते रह जायेगी।" और बस यह देखें कि यदि उस प्रकार से होता है कि नहीं, समझे, हर एक बार पक्के तौर पर ऐसा होता है! अतः आप अपने आप को बहुत अधिक उस बात में नहीं डालते हैं, क्योंकि आप... यह–यह... आप उसका उपयोग कर सकते हैं, यह परमेश्वर का बरदान है, परन्तु आपको यह ध्यान देना होता है कि आप उस चीज के साथ में क्या करते हैं। परमेश्वर आप को जिम्मेदार ठहरायेगा।

95 मूसा को देखें। मूसा परमेश्वर का भेजा गया व्यक्ति था। क्या आप इस बात को विश्वास करते हैं? पहले से ठहराया गया, पहले से अभिषिक्त किया गया, और उसको भविष्यद्वक्ता बनाया गया था! और परमेश्वर ने उसे वहाँ बाहर भेजा था, कहा, "जा, चट्टान से जोकर बोल," जब कि उसको मारा जा चुका था। कहा, "जा चट्टान से जाकर बोल, और वह अपने जल को लेकर आयेगी।"

96 परन्तु मूसा क्रोधित था, वहाँ पर भाग कर गया और चट्टान पर मारा। जल नहीं आया, उसने उसे फिर से मारा, कहा, "तुम विद्रोही लोग! क्या हमें तुम्हारे लिये इस चट्टान से जल लाना होगा?"

97 आप समझे कि परमेश्वर ने क्या किया? जल आया, परन्तु कहा, ''मूसा, तू यहाँ पर ऊपर आ जा।'' यह उस बात को अन्त था, समझे। आप को उन बातों के ऊपर ध्यान देना होता है, अतः आप... आप उन दिव्य बरदानों के साथ क्या करते हैं।

98 बस एक प्रचारक की तरह, एक अच्छे प्रभावशाली प्रचारक की तरह से, और वह बाहर जाये और बस दानों को और पैसों को लेने के लिये प्रचार करें, परमेश्वर उसको उस बात के लिये जिम्मेदार ठहरायेगा। यह ठीक बात है। आप को ध्यान देना होता है कि आप उन दिव्य बरदानों के साथ में क्या करते हैं। और, या कोई बड़ी प्रतिष्ठा को पाने का यत्न करे या किसी कलीसिया के लिये एक बड़ा नाम पाने का यत्न करे, या अपने लिये एक बड़ा नाम पाने का यत्न करे। मैं बल्कि दो या तीन रात्रि की सभायें करना पसन्द करूंगा और कहीं और जाकर परिश्रम करूंगा, और नम्र बना रहूंगा, और दीन बना रहूंगा। और आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है। जी हाँ श्रीमान, हमेशा अपने स्थान पर बने रहें जहाँ पर परमेश्वर अपने हाथ आप पर रखने पाये।

स्मरण रहे, यह अब अन्दर का जीवन है।

99 अतः इस दिन मैंने सोचा, ''अच्छा, मैं चलकर ऊपर जाऊँगा।'' और मैं बस उन लोगों के विषय में बस इतना अधिक व्याकुल हूँ, मैंने सोचा, ''मैं उन लोगों के विषय में पता लगाऊँगा।'' और बाहर प्रांगण में मैं उनको देखता रहा जब सभायें समाप्त हो गयीं। मैंने चारों ओर देखा। मैंने उनमें से एक को पा लिया, मैंने कहा, ''श्रीमान, आप कैसे हैं?''

100 उसने कहा, ''आप कैसे हैं!'' कहा, ''क्या आप ही वह युवा प्रचारक हैं जिसने आज प्रातः प्रचार किया था?'' मैंने कहा...मैं तब तेईस वर्ष का था। मैंने कहा, ''हाँ, श्रीमान।''

और उसने कहा, ''आप का क्या नाम है?''

मैंने कहा, ''ब्रन्हम।'' और मैंने कहा, ''आपका?''

101 और उसने अपना नाम मुझे बताया। और मैंने सोचा, ''अच्छा, अब यदि मैं बस उसकी आत्मा से संपर्क कर पाता हूँ।'' और फिर भी मैं यह नहीं जान रहा था कि इस बात कैसे हो रही थी। और मैंने कहा, ''अच्छा, कहिये श्रीमान,'' मैंने कहा, आप लोगों के पास यहाँ पर कुछ बात है जो कि मेरे पास नहीं है।''

उसने कहा, ''जब से तुमने विश्वास किया तो क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया?''

मैंने कहा, ''अच्छा, मैं बैपटिस्ट हूँ।''

102 उसने कहा, ''परन्तु जब से तुमने विश्वास किया तो क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया?''

103 और मैंने कहा, ''अच्छा, भाई, आप को क्या मतलब है?'' मैंने कहा, ''मुझे–मुझे वह प्राप्त नहीं हुआ है जो कि तुम सबको प्राप्त हुआ है, मैं उस बात को जानता हूँ!'' मैंने कहा, ''क्योंकि तुम्हें कुछ ऐसी चीज प्राप्त हुयी है जो कि शक्तिशाली प्रतीत होती है और अतः...''

कहा, ''क्या तुमने कभी अन्य भाषाओं में बात करी है?''

और मैंने कहा, ''नहीं श्रीमान।''

कहा, ''मैं तुम्हें यह बात जल्दी से बता देना चाहता हूँ कि तुमने पवित्र आत्मा को प्राप्त नहीं किया है।''

104 और मैंने कहा, ''अच्छा, यदि मैं...यदि पवित्र आत्मा को पाने के लिये उस चीज की आवश्यकता है, तो मैंने यह नहीं पाया है।''

105 और अतः उसने कहा, "अच्छा, यदि तुमने अन्य भाषा में बात नहीं की है, तो तुमने उसे प्राप्त नहीं किया है।"

106 और उस बातचीत को उस प्रकार से करते हुये मैंने कहा,. "अच्छा, मैं उसे कहाँ पर प्राप्त कर सकता हूँ?"

107 कहा, "तुम वहाँ पर उस कमरे में जाओ और पवित्र आत्मा को खोजो।"

108 और आप जानते हैं, मैं उनको देखता रहा। वह यह नहीं जानता था कि मैं क्या कर रहा था, परन्तु वह...मैं जानता था कि उसके पास एक विचित्र सी अनुभुति थी, क्योंकि वह...जब वह मुझे देख रहा था, उसकी आँखें थोड़ी सी बिना किसी अभिव्यक्ति के हो गयीं। और वह...परन्तु वह वास्तव में मसीही था। वह पूर्णतया, एक सौ प्रतिशत मसीही व्यक्ति था। यह ठीक बात है। अच्छा, मैंने सोचा, "परमेश्वर की स्तुति हो, वह बात यहाँ पर है! मुझे—मुझे कहीं पर वेदी पर जाने की आवश्यकता है।"

109 मैं बाहर गया, चारों ओर देखा, मैंने सोचा, "मैं दूसरे व्यक्ति को ढूढूंगा।" और जब मैंने उसका पता लगा लिया और उससे बातचीत करने लगा, मैंने कहा, "श्रीमान, आप कैसे हैं?"

110 उसने कहा, "आप किस कलीसिया से संबन्ध रखते हैं?" उसने कहा, "वे मुझे यह बताते हैं कि आप एक बैपटिस्ट हैं।"

मैंने कहा, "हाँ।"

और उसने कहा, "आप ने अभी तक पवित्र आत्मा को प्राप्त नहीं किया है, क्या आपने किया है?"

मैंने कहा, "अच्छा, मैं नहीं जानता हूँ।"

कहा, "क्या आपने कभी अन्य भाषा में बातचीत करी है?"

मैंने कहा, "नहीं श्रीमान।"

कहा, "आप ने उसे नहीं पाया है।"

111 और मैंने कहा, "अच्छा, मैं जानता हूँ कि वह चीज मुझे नहीं मिली है जो कि आप सभी को मिली है। मैं उस बात को जानता हूँ।" और मैंने कहा, "परन्तु, मेरे भाई, मैं वास्तव में उसे पाना चाहता हूँ।"

उसने कहा, "अच्छा, वहाँ पर–वहाँ पर हौद तैयार है।"

112 मैंने कहा, "मेरा बपतिस्मा हो चुका है। परन्तु," मैंने कहा, "मैंने–मैंने वह चीज नहीं पायी है जो कि आप सभी ने पायी है।" मैंने कहा, "आप के पास कुछ चीज है जिसको कि मैं–मैं वास्तव में पाना चाहता हूँ।"

और उसने कहा, "अच्छा, यह अच्छी बात है।"

113 मैं उसको पकड़ना चाह रहा था, आप समझे। और यदि मैंने.. जब अन्ततः उसकी आत्मा को पकड़ लिया, अब, यह दूसरा वाला व्यक्ति था, यदि मैंने किसी गिरे गुये पाखंडी से कभी बातचीत करी है, तो वहाँ पर वह उनमें से एक था। वह रह रहा था... उसकी पत्नी एक काले सिर की स्त्री थी, वह एक सुनहरे बाल वाली स्त्री के साथ में रह रहा था और उसके द्वारा उसके पास दो बच्चे थे। वह शराब पीता था, कोसता था, शराबखानों में भागा फिरता था, और सभी कुछ करता था, और फिर भी वह वहाँ पर अन्दर था और अन्य भाषा में बातचीत कर रहा था और भविष्यवाणी कर रहा था।

114 फिर मैंने कहा, "प्रभु, मुझे क्षमा कर।" मैं घर चला गया। यह ठीक बात है। मैंने कहा, "मैं बस जाऊँगा... मैं उस बात को समझ नहीं

पाया। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि आशीषित पवित्र आत्मा गिर रहा है, और उस पाखंडी पर गिर रहा है।'' मैंने कहा, ''ऐसा नहीं हो सकता है! बस यही बात है।''

115 इस लम्बे समय में मैं पढ़ रहा था और रो रहा था, ऐसा सोचा कि यदि मैं उनके साथ में बाहर जाऊँ तो शायद मैं यह पता लगा सकता हूँ कि वह सब कुछ क्या है। यहाँ पर एक है, एक वास्तविक मसीही; और दूसरा वाला, एक वास्तविक पाखडी। फिर मैंने सोचा, ''उस बात के विषय में क्या? ओह,'' मैंने कहा, ''परमेश्वर, हो सकता है–हो सकता है कि मेरे साथ कुछ गलत है।'' और रूढ़ीवादी होने के कारण मैंने कहा, ''वह सब कुछ... यह देखना पड़ेगा कि यह बात बाईबिल में है। उसे होना चहिये।''

116 मेरे लिये, हर एक बात जो कार्य करती है वह बाईबिल से आनी चाहिये अन्यथा वह ठीक नहीं है।•उसे यहाँ पर से आना चाहिये। उसे बाईबिल में से सिद्ध होना चाहिये, बस एक स्थान से नहीं, परन्तु उस बात को सारी बाईबिल में आना चाहिये। मुझे उसपर विश्वास करना है। उसे मेल खाना चाहिये और हर एक वचन से सांमजस्य स्थापित करना होता है अन्यथा मैं उस बात पर विश्वास नहीं करता हूँ। और फिर, चूंकि पौलूस ने कहा, ''यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर किसी और सुसमाचार का प्रचार करे, तो वह श्रापित हो।'' अतः मैं बाईबिल में विश्वास करता हूँ।

और मैंने कहा, ''मैंने उस प्रकार की कोई भी बात कभी भी बाईबिल में नहीं देखी है।''

117 दो वर्ष के बाद, अपनी पत्नी को खोने के बाद और उन सब बातों के बाद, मैं ऊपर ग्रीनस मिल पर था, जो कि मेरे प्रार्थना करने का छोटा सा पुराना स्थान है। मैं अपनी गुफा में वहाँ पर दो या तीन दिन तक था, दो दिन से था। थोड़ी सी साँस लेने के लिये, हवा में साँस लेने के लिये मैं बाहर निकलकर गया। और जब मैं वहाँ पर बाहर चलकर गया, ठीक जैसे ही आप अन्दर आते हैं, वहाँ पर एक लट्ठे के छोर पर मेरी बाईबिल

रखी हुयी थी। एक पुराना वृक्ष गिर गया था, उसमें द्विशाखायें थीं। अब आप... इस प्रकार से उसमें द्विशाखायें थीं जो कि ऊपर की ओर थीं, और वृक्ष नीचे पड़ा हुआ था। और बस उस लट्ठे के दोनो ओर पैर करके बैठ गया, और रात्रि के समय वहाँ बाहर बैठ गया, इस प्रकार से आकाश की ओर देखने लगा, मेरा हाथ इस प्रकार से रखा हुआ था, और कभी कभी मैं इस प्रकार से उस लट्ठे पर लेट जाता और प्रार्थना करते करते सो जाता। वहाँ ऊपर मैं कुछ दिनों तक रहा, बस न तो कुछ खाया और पिया, बस वहाँ पर प्रार्थना कर रहा था। और थोड़ी सी ताजी हवा लेने के लिये मैं बाहर चलकर गया, उस गुफा से बाहर गया; वहाँ पर ठंडा था, और वहाँ पीछे अन्दर नमी थी।

118 अतः फिर मैं बाहर आ गया और वहाँ पर मेरी बाईबिल रखी हुयी थी जहाँ पर मैंने उसे एक दिन पहले रखा था, और उसमें इब्रानीयों की पुस्तक उसके 6वें अध्याय पर निकली हुयी थी। और मैंने उसे पढ़ना आरंभ किया, ''इसलिये आओ हम...बातों को छोड़कर...सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जायें, और मरें हुये कामों से मन फिराने, और परमेश्वर पर विश्वास करने की नींव फिर से न डालें,'' और ऐसी ही अन्य बातें। ''क्योंकि जिन लोगो ने एक बार ज्योति पायी है, और जो स्वर्गीय बरदान और बुलाहटों का स्वाद चख चुके हैं, और वगैराह–वगैराह। परन्तु कहा, ''क्योंकि जो भूमि वर्षा के पानी से जो उस पर बार बार पड़ता है, पी पीकर जिन लोगों के लिये वह जोती–बोई जाती है, उन लोगों के काम का साग–पात उपजाती है। पर यदि वह झाड़ी और ऊंटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और श्रापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है।''

और कोई चीज इस प्रकार से गयी, ''वूऊऊऊऊऊशशशश!''

119 मैंने सोचा, ''यह यहाँ पर है। मैं अब उस बात को सुनूंगा जो भी कुछ वह... उसने मुझे यहाँ पर उठाया है, वह मुझे ठीक अभी दर्शन देने जा रहा है।'' लट्ठे के छोर पर इन्तजार किया, और इन्तजार किया। मैं उठा और आगे और पीछे चला, ऊपर और नीचे चला। पीछे गया, कुछ

घटित नहीं हुआ। अपनी गुफा तक वापस चलकर गया, कुछ घटित नहीं हुआ। मैं वहाँ पर खड़ा रहा, ''अच्छा, यह क्या बात है?''

120 मैं अपनी **बाईबिल** तक फिर से चलकर गया, और ओह, वह बात फिर से मेरी ऊपर **आयी**। मैंने उसे उठाया, और मैंने सोचा, ''उस के अन्दर क्या बात **है जो कि** वह चाहता है कि मैं पढ़ूं?'' मैं वहाँ नीचे तक पढ़ता रहा, ''मन **फिराने** और विश्वास करने तक,'' और आगे तक, और मैंने वहाँ तक पड़ा **जहाँ पर** कहा गया था, ''क्योंकि जो भूमि वर्षा के पानी से जो उस पर बार बार पड़ता है, पी पीकर जिन लोगों के लिये वह जोती–बोई जाती है, उन लोगों के काम का साग–पात उपजाती है। पर यदि वह झाड़ी और ऊंटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और श्रापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है।'' और ओह, उस बात में बस मुझे हिला कर रख दिया!

121 और मैंने सोचा, ''प्रभु, क्या आप मुझे दर्शन देने जा रहे हैं या क्या बात है...'' मैं वहाँ पर ऊपर उससे कोई और बात पुछने के लिये गया था।

122 फिर मेरे सामने अचानक मैंने देखा कि संसार घूम रहा है, और वह चपटे रूप में थी। और यहाँ पर सफेद वस्त्र पहने हुये एक मनुष्य था, इस प्रकार से बीजों को बो रहा था। और जब वह गया, बस जैसे ही वह पहाड़ी के ऊपर चला गया, उसके पीछे से एक मनुष्य काले वस्त्रों में आया, उसका सिर नीचे की ओर था, वह बीजों को बो रहा था। और जब अच्छे बीज बड़कर ऊपर आये, तो वह गेहूं था; और जब बुरे बीज बड़कर ऊपर आये, तो वह ऊंट कटारे थे।

123 और फिर पृथ्वी पर एक बड़ा आकाल आया, और गेहूँ ने अपने सिर को नीचे झुका रखा था, बस लगभग नाश हुये जाते थे, पानी चाहते थे। और मैंने बहुत सारे लोगों को अपने हाथ ऊपर किये हुये देखा, परमेश्वर से पानी भेजने के लिये प्रार्थना कर रहे थे। और फिर मैंने ऊंट कटारे को देखा, उसका सिर नीचे झुका हुआ था, पानी के लिये नीचे

झुका हुआ था। और ठीक तभी एक बड़ा बादल वहाँ पर आया और बस मुसलाधार वर्षा हुयी। और जब ऐसा हुआ, छोटे सा गेहूँ जो कि पूरा झुक चुका था, उसने इस प्रकार से किया, "विशश," और ऊपर खड़ा हो गया। और छोटे से ऊंट कटारा जो कि उसके बगल में था, उसने इस प्रकार से किया, "विशश", ठीक ऊपर खड़ा हो गया।

मैंने सोचा, "अच्छा, यह क्या बात है?"

124 तब फिर वह बात मेरे समझ में आयी। वह बात यह है। वही वर्षा जो कि गेहूँ को उगाती है, ऊंट कटारों को भी उगाती है। और वही पवित्र आत्मा लोगों के झुण्ड के ऊपर गिर सकता है, और पाखंडी को बस उसी प्रकार से आशीष दे सकता है जैसे कि वह दूसरों को आशीष देता है। यीशु ने कहा, "तुम उनको उनके फलों के द्वारा पहचानोगे।" इसलिये नहीं कि वह चिल्लाता है, चाहे वह आन्निदत होता है, परन्तु "उसके फलों के द्वारा तुम उसको पहचानोगे।"

125 मैंने कहा, "आप उस स्थति में हैं!" "प्रभु, मेरी समझ में आ गया।" मैंने कहा, "तब फिर वास्तव में वह सत्य है।" यह व्यक्ति... आप के पास बिना परमेश्वर को जाने हुये बरदान हो सकते हैं।

126 अतः फिर मैं–तब फिर मैं अन्य भाषा के बोले जाने की बहुत अधिक आलोचना करने लगा, आप समझे। परन्तु एक दिन, फिर, प्रभु ने उस बात को मेरे ऊपर किस प्रकार से प्रगट किया!

127 मैं नदी में, ओहायो नदी में मेरे द्वारा परिवर्तित हुये लोगों को जो कि मैंने पहली बार किये थे, बपतिस्मा दे रहा था, और सत्तरहवें व्यक्ति को मैं बपतिस्मा दे रहा था, और मैंने बपतिस्मा देना आरंभ किया, फिर मैंने कहा, "पिता, जैसे ही मैं इसको पानी से बपतिस्मा देता हूँ, आप उसे पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे दें।" मैंने उस व्यक्ति को पानी के नीचे डालना आरंभ किया।

128 और ठीक तभी ऊपर स्वर्ग से तेजी से घूमता हुआ कुछ आया, और यहाँ पर वह उजियाला आया जो कि नीचे चमक रहा था। तट पर जून के महीने में ठीक दोपहर के दो बजे सैकड़ों लोग थे। और वह ठीक मेरे ऊपर जहाँ पर मैं था, आकर रूक गया। एक आवाज वहाँ से आयी, और कहा, "जैसा यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मसीह के पहले आगमन के आगे आगे चला था, तुम्हारे पास है... संदेश है जो कि मसीह के दूसरे आगमन के आगे आगे चलेगा।" और वह इस प्रकार से हुआ कि उस बात ने मेरे अन्दर मृत्यु का सा डर उत्पन्न कर दिया।

129 और मैं वापस गया, और वे सब लोग जो कि वहाँ पर थे, जो ढलाई का कार्य करते थे और वे सभी, दवा वाले, और वे सभी जो कि तट पर थे। मैंने लगभग दो सौ या तीन सौ लोगों को उस दोपहर बपतिस्मा दिया था। और जब उन्होंने मुझे बाहर निकाला, मुझे पानी से बाहर निकाला, डीकन और वे लोग ऊपर गये, उन्होंने मुझसे पूछा, "उस उजियाले का क्या अर्थ था?"

130 गिल्ट ऐज बैपटिस्ट कलीसिया और लोन स्टार कलीसिया से एक बड़े अश्वेत लोगों का झुण्ड जो कि वहाँ पर था, और बहुत से लोग जो कि वहाँ पर थे, जब उन्होंने उस बात को होते हुये देखा तो वे चिल्लाने लगे, लोग बेहोश हो गये थे।

131 एक लड़की को मैंने वहाँ पर नाव से बाहर निकालने का यत्न किया, जो कि वहाँ पर तैरने वाले वस्त्रों में बैठी हुयी थी, जो कि कलीसिया में सन्डे स्कूल शिक्षिका थी, और मैंने कहा, "मारजी, क्या तुम बाहर नहीं आओगी?"

उसने कहा, "बिली, मुझे बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं है।"

132 मैंने कहा, "यह ठीक बात है, तुम को नहीं आवश्यकता है, परन्तु मेरे पास सुसमाचार के लिये पर्याप्त आदर है कि मैं उस स्थान से बाहर

आ जाऊँ जहाँ पर मैं बपतिस्मा दे रहा हूँ।''

उसने कहा, ''मुझे बाहर आने की आवश्यकता नहीं है।''

133 और जब वह वहाँ पर बैठी हुयी थी, मेरे बपतिस्मा देने पर वह उपहास उड़ा रही थी और हंस रही थी क्योंकि वह बपतिस्मा देने में विश्वास नहीं करती थी, अतः जब प्रभु का दूत नीचे आया वह अपनी नाव में आगे गिर पड़ी। आज वह लड़की पागल खाने में है। अतः आप बस परमेश्वर के साथ में खिलवाड़ नहीं कर सकते हैं। समझे? अब, बाद में. ..एक सुन्दर लड़की, उसने बाद में शराब पीना आरंभ कर दिया, उसे बीयर की बोतल के द्वारा मारा गया, उसका सारा चेहरा कट गया था। ओह, कितनी भयानक दिखने वाली स्त्री थी वो! और वहाँ पर वह बात घटित हुयी।

134 और फिर जीवन के सभी समयों पर मैं उस बात को होते हुये देखा है, उसे चलते हुये देखा है, उन दर्शनों को देखा है, कि कैसे वे बातें घटित होती हैं। फिर, कुछ समय बाद, वह बात मुझे बहुत अधिक परेशान करने लगी, और हर एक जन मुझे यह बता रहा था कि वह यह गलत बात है। और मैं अपने पुराने रहने वाले स्थान में गया जहाँ पर मैं चला करता था, वहाँ ऊपर जहाँ पर मैं प्रार्थना किया करता था। और मैंने... इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि मैंने कितनी भी प्रार्थना क्यों नहीं की कि वह बात मेरे पास न आये, वह फिर भी आती थी। और अतः मैं बस था. .. मैं था—मैं ईन्डियाना राज्य में वन में कार्ययत था, जानवरों के कल्याण को देखता था । और मैं अन्दर आया, वहाँ पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था, मेरे आराधनालय में जो पियानोवादक थी, वह उसका भाई था। और उसने कहा, ''बिली, क्या तुम मेरे साथ मैडीसन तक कार में इस दोपहर चलोगे?''

मैंने कहा, ''मैं नहीं जा सकता हूँ, मुझे वहाँ वनप्रान्त तक जाना है।''

135 और मैंने... बस अपने घर आता था और अपनी बेल्ट को और चीजों को उतारता था, और अपनी आस्तीनों को ऊपर कर लेता था। हम दो कमरों के घर में रहते थे, और मैं नहाने जा रहा था और अपना खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। और मैं नहा लिया था, और बस घर के एक ओर बड़े से मैपल के वृक्ष के नीचे चल रहा था, और अचानक कोई चीज, ''वूऊऊऊशशशश!'' करते हुये गयी। और मैं बस लगभग बेहोश हो गया था। और मैंने देखा, और मैं जान गया कि वह बात फिर से हुयी है।

136 मैं उन सीढ़ीयों पर बैठ गया, और वह अपनी कार से बाहर कूदकर आया और मेरे पास दौड़कर आया, कहा, ''बिली, क्या तुम बेहोश हो रहे हो?''

मैंने कहा, ''नहीं श्रीमान।''

उसने कहा, ''बिली, क्या बात है?''

137 और मैंने कहा, ''मैं नहीं जानता हूँ।'' मैंने कहा, ''भाई, तुम बस आगे जाओ, सब ठीक है। धन्यवाद।''

138 मेरी पत्नी बाहर आयी और पानी के एक घड़े को लेकर आयी, उसने कहा, ''प्रिय, क्या बात है?''

मैंने कहा, ''प्रिय, कुछ बात नहीं है।''

139 अतः उसने कहा, ''अब तुम आ जाओ, रात का खाना तैयार है,'' और उसने अपने हाथ को मेरे चारों ओर डाल दिया, मुझे अन्दर ले जाने का यत्न किया।

140 मैंने कहा, ''प्रिय, मैं–मैं तुमको कुछ बताना चाहता हूँ।'' मैंने कहा, ''तुम उनको फोन कर दो और उनको यह बता दो कि मैं इस

दोपहर वहाँ पर नहीं आ पाऊँगा।'' मैंने कहा, ''मेडा, प्रिय,'' मैंने कहा, ''मैं अपने हृदय में जानता हूँ कि मैं यीशु मसीह से प्रेम करता हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका हूँ। परन्तु मैं यह नहीं चाहता हूँ कि शैतान का मुझसे कुछ लेना देना हो।'' और मैंने कहा, ''मैं इस प्रकार से चल नहीं सकता हूँ; मैं कैदी हूँ।'' मैंने कहा, ''सभी समयों में जब यह बातें, इस प्रकार की बातें घटित होती रहीं, और ये दर्शन आते रहे, और उस प्रकार से होता रहा। या यह जो भी कुछ है,'' मैंने कहा, ''यह मेरे साथ होता है।'' मैं यह नहीं जानता था कि यह दर्शन हैं। मैंने उस बात को दर्शन नहीं कहा है। मैंने कहा, ''वे एक प्रकार से अर्ध चेतन अवस्था में जाना होता है,'' मैंने कहा, ''मैं यह नहीं जानता हूँ कि यह क्या बात है। और प्रिय, मैं–मैं–मैं–मैं उस बात के साथ में समय गँवाना नहीं चाहता, वे–वे मुझे यह बताते हैं कि वह शैतान है। और मैं प्रभु यीशु से प्रेम करता हूँ।''

141 ''ओह,'' उसने कहा, ''बिली, तुम को वह नहीं सुनना चहिये जो कि लोग तुम्हें बताते हैं।''

142 मैंने कहा, ''परन्तु, प्रिय, दूसरे प्रचारकों को देखो।'' मैंने कहा, ''मैं–मैं उस चीज को नहीं चाहता हूँ।'' मैंने कहा, ''मैं जंगलों में अपने स्थान पर जा रहा हूँ। मेरे पास लगभग पन्द्रह डालर हैं, तुम बिली की देखभाल करो।'' बिली तब छोटा सा लड़का था, एक छोटा सा बच्चा था। मैंने कहा, ''तुम–तुम ले लो...कुछ समथ के लिये तुम्हारे और बिली के लिये यह पर्याप्त है। उन्हें फोन करो और उन्हें बता दो कि शायद मैं–मैं कल वापस आऊँगा, और मैं कभी नहीं भी वापस आ सकता हूँ। यदि मैं अगले पाँच दिनों में वापस नहीं आता हूँ, मेरे स्थान पर एक व्यक्ति को रख लेना।'' और मैंने कहा, ''मेडा, मैं उन जंगलो से तब तक वापस नहीं आऊँगा जब तक कि परमेश्वर मुझसे यह प्रतिज्ञा नहीं करता है कि वह उस बात को मुझसे दूर कर देगा और उस बात को कभी फिर से होने नहीं देगा।'' जरा उस अज्ञानता के विषय में सोचें जिसमें कि एक व्यक्ति हो सकता है!

143 और मैं उस रात्रि वहाँ ऊपर गया। उस छोटे से पुरानी कोठरी में वापस गया क्योंकि वह अगला दिन था; एक प्रकार से देर हो चुकी थी। अगले दिन मैं ऊपर अपने कैंप में जाने वाला था, जो कि वहाँ ऊपर था... उस पहाड़ी के और आगे, बल्कि उस पहाड़ पर, और उन जंगलो में जाने वाला था। मैं यह विश्वास नहीं करता हूँ कि एफ0बी0आई भी मुझे वहाँ ऊपर ढूंढ़ पाती। अतः यह छोटा सी पुरानी कोठरी...मैं सारी दोपहर और इससे पहले कि अंधेरा हो, प्रार्थना करता रहा। मैं प्रार्थना करता, बाईबिल में वहाँ पर पढ़ रहा था जहाँ पर कहा गया था, ''भविष्यद्वक्ता की आत्मा उसके वश में होती है।'' मैं उस बात को समझ नहीं सका। अतः उस छोटी सी कोठरी में बहुत अंधेरा हो गया।

144 जहाँ मैं मछली पकड़ा करता था तब मैं एक छोटा लड़का था, वहाँ पर मेरे पास एक मछली पकड़ने का काँटा था, और मैं वहाँ पर जाया करता था और पूरी रात वहीं रूका रहता था। बस छोटा सी टूटी फूटी कोठरी वहाँ पर थी, वह बहुत से वर्षों से थी। इससे पहले कि वह इस प्रकार से होती, कोई किरायेदार उसे ले लेता।

145 और अतः मैं—मैं वहाँ पर बस इन्तजार कर रहा था। और मैंने सोचा, ''अच्छा।'' सुबह के एक बज गये, दो बज गये, तीन बज गये, मैं फर्श पर आगे और पीछे चल रहा था, आगे और पीछे चल रहा था। मैं वहाँ पर एक छोटे से स्टूल पर बैठ गया, एक छोटे से... स्टूल नहीं, किसी चीज का छोटा सा पुराना बक्सा। और मैं वहाँ पर बैठ गया, और मैंने सोचा, ''ओह परमेश्वर, आप ने यह मेरे साथ क्यों किया?'' मैंने कहा, ''पिता, आप जानते हैं कि मैं आप से प्रेम करता हूँ। आप जानते हैं कि मैं आप से प्रेम करता हूँ! और मैं—मैं—मैं शैतान से ग्रस्त होना नहीं चाहता हूँ। मैं नहीं चाहता हूँ कि वे बातें मेरे साथ में हों। कृप्या परमेश्वर इस बात को मेरे साथ और अधिक होने न दें।''

146 मैंने कहा, ''मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूँ। मैं नर्क में जाना नहीं चाहता हूँ। मेरे प्रचार करने और यत्न करने और मेरे प्रयत्न करने का क्या लाभ, यदि मैं गलत हूँ? और मैं केवल अपने आप को ही नहीं नर्क में ले

जा रहा हूँ, मैं हजारों दूसरे लोगों को पथभ्रष्ट कर रहा हूँ।'' या, उन दिनों में सैकड़ों लोग होंगे। और मैंने कहा... मेरे पास एक बड़ी सेवकाई थी। और मैंने कहा, ''अच्छा, मैं–मैं यह नहीं चाहता हूँ कि यह बात मेरे साथ फिर कभी हो।''

147 और मैं इस छोटे स्टूल पर बैठ गया। और मैं बस बैठा हुआ था, ओह, एक प्रकार से इस इस स्थति में, बस उस प्रकार से बैठा हुआ था। और, अचानक, मैंने कमरे में उजियाले को टिमटिमाते हुये देखा। और मैंने सोचा कि कोई टार्च को लेकर आ रहा है। और मैंने चारों ओर देखा, और मैंने सोचा, ''अच्छा...'' और यहाँ पर ठीक मेरे सामने वह था। और फर्श पर पुराने लकड़ी के तख्ते थे। और वहाँ पर ठीक मेरे सामने वह था। एक छोटा सी अँगीठी कोने में रखी हुयी थी, उसका ऊपरी हिस्सा टूट कर उससे अलग था। और–और ठीक वहाँ अन्दर फर्श पर एक उजियाला था, और मैंने सोचा, ''अच्छा, यह कहाँ से आ रहा है? अच्छा, यह नहीं आ सकता है...''

148 मैंने चारों ओर देखा। और यहाँ पर वह मेरे ऊपर था, वही उजियाला वहाँ पर ठीक मेरे ऊपर था, इस प्रकार से लटका हुआ था। आग की तरह चक्कर लगा रहा था, एक प्रकार से चमकीले हरे रंग का था, और ''वूऊऊाश, वूऊऊाश, वूऊऊाश! करके उस प्रकार से चल रहा था। और मैंने उसकी ओर देखा। मैंने सोचा, ''यह क्या चीज है?'' अब, उसने मुझे भयभीत कर दिया।

149 मैं किसी को आते हुये सुना, (भाई ब्रन्हम किसी के चल कर आने की नकल करते हैं–संम्पा) वह बस केवल चल रहा था, वह नंगे पैर था। और मैंने एक व्यक्ति के पैर को अन्दर आते हुये देखा। कमरे में अंधेरा था, सभी ओर बजाये उस स्थान के जहाँ पर वह ठीक नीचे की ओर चमक रहा था, अंधेरा था। और जब वह कमरे में आया, वह चलकर आया, वह ...का लगभग मनुष्य था वह दो सौ पाऊंड वजन का दिखने में लगता था। उसके हाथ इस प्रकार से लिपटे हुये थे। अब, मैंने इस बात को बवण्डर में देखा था, मैंने उसको अपने से बातचीत करते हुये

सुना था, और उसे उजियाले के रूप में देखा था, परन्तु पहली बार मैंने कभी उसके स्वरूप को देखा था। वह मेरे बहुत नजदीक तक चलकर आया।

150 अच्छा, मित्रों मैं यह बात ईमानदरी से आप को बता रहा हूँ, मैंने—मैंने सोचा कि मेरा ह्रदय कार्य करना बन्द कर देगा। मैं... बस कल्पना कीजीये! आप अपने आप को वहाँ पर रखकर देखिये, यह आप को भी उसी प्रकार से अनुभुव करवायेगा। हो सकता है कि आप सड़क पर मुझसे भी आगे हों, हो सकता है कि आप मुझसे भी अधिक समय के लिये मसीही रहे हों, परन्तु यह बात आप को उसी प्रकार से अनुभव करवायेगी। क्योंकि सैकड़ों और सैकड़ों गुना उसके मुझसे मिलने के बाद, जब वह मेरे नजदीक आता है, तो यह बात मुझे स्तम्भित कर देती है। कभी कभी यहाँ तक कि यह मुझे...कर देती है, मैं पूर्णतया बेहोश हो जाता हूँ, बहुत सी बार जब मैं मंच को छोड़ता हूँ, मैं बस इतना अधिक कमजोर हो जाता हूँ। यदि मैं बहुत अधिक समय तक रूका रहूंगा, मैं पूर्ण रूप से बेहोश हो जाऊँगा। वे मुझे कार में घंटो तक चारों ओर लेकर चलते हैं, मैं यह नहीं जान पाता हूँ कि मैं कहाँ था। और मैं उस बात को समझा नहीं पाता हूँ। आप बाईबिल में यहाँ पर पढ़ें, और यह उस बात को समझा देगी, कि यह क्या बात है। वचन ऐसा कहता है!

151 अतः मैं वहाँ पर बैठा हुआ था और उसकी ओर देख रहा था। मैंने—मैंने इस प्रकार से अपने हाथों को ऊपर किया हुआ था। वह ठीक मेरी ओर देख रहा था, बस उतना ही मनोहर दिख रहा था। परन्तु उसकी वास्तविक गहरी आवाज थी, और उसने कहा, ''मत डरो, मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थिति से भेजा गया हूँ।'' और जब उसने उस आवाज में बोला, यह वही आवाज थी जिसने मुझसे वहाँ ऊपर तब बोला था जब मैं दो वर्ष का था। और मैंने सोचा, ''अब...''

152 और इसे सुने। अब बातचीत को सुनें। मैं उसे जितनी अच्छी तरह से हो सकता है एक एक शब्द को जितना कि मैं जानता हूँ, आप को बताऊँगा, क्योंकि मैं कठिनाई से ही उस बात को याद कर सकता हूँ।

153 उसने...मैंने कहा... उसकी ओर उस प्रकार से देखा। उसने कहा, "मत डरो," मैं बस चुप था, कहा, "मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थिति से तुमको यह बताने के लिये भेजा गया हूँ कि तुम्हारा विचित्र जन्म..." जैसा कि आप यह जानते हैं कि मेरा जन्म वहाँ ऊपर किस प्रकार से हुआ था। वही प्रकाश पहली बार मेरे ऊपर आकर ठहर गया था जब मेरा जन्म हुआ था। और अतः उसने कहा, "तुम्हारा विचित्र जन्म और तुम्हारे जीवन के विषय में गलतफहमी, यह इस ओर इशारा करता है कि तुम सारे संसार में जाओगे और बिमार लोगों के लिये प्रार्थना करोगे।" और कहा, "और इस बात की परवाह किये बिना कि उन्होंने क्या..." और उसने उल्लेख किया। परमेश्वर, जो कि मेरा न्यायी है, जानता है। कि उसने "कैन्सर" कर उल्लेख किया। कहा, "कुछ भी नहीं... यदि तुम लोगों को अपने ऊपर विश्वास करवा पाओ, और यदि तुम प्रार्थना करते समय सतयनिष्ठ बने रहो, कुछ भी तुम्हारी प्रार्थना के सामने खडा नहीं हो पायेगा, यहाँ तक कि कैन्सर तक नहीं।" समझे, "यदि तुम लोगों को अपने ऊपर विश्वास करवा पाओ।"

154 और मैंने देखा कि वह मेरा शत्रु नहीं था, वह मेरा मित्र था। और मैं यह नहीं जानता हूँ कि क्या–क्या मेरी मृत्यु हो रही थी या क्या हो रहा था जब वह मेरे पास उस प्रकार से आ रहा था। और मैंने कहा, "अच्छा श्रीमान," मैंने कहा, "मैं हूँ.." मैं उन चंगाईयों और बातों और उन बरदानों के विषय में क्या जानता था? मैंने कहा, "अच्छा, श्रीमान, मैं एक. ..हूँ, मैं–मैं एक निर्धन व्यक्ति हूँ।" और मैंने कहा, "मैं अपने लोगों के बीच मे हूँ। मैं–मैं अपने लोगों के साथ में रहता हूँ जो कि निर्धन हैं। मैं अशिक्षित हूँ।" और मैंने कहा, "और मैं–मैं यह कर नहीं पाऊँगा, वे नहीं–वे मुझे नहीं समझेंगे।" मैंने कहा, "वे–वे नहीं–वे मेरी नहीं सुनेंगे।"

155 और उसने कहा, "जैसे कि मूसा भविष्यद्वक्ता को दो बरदान" बल्कि "चिन्ह उसकी सेवकाई को प्रमाणित करने के लिये दिये गये थे, वैसे ही तुम्हें भी दो दिये जोयेंगे–वैसे ही तुम्हारी सेवकाई को प्रमाणित करने के लिये तुम्हें दो बरदान दिये जायेंगे।" उसने कहा, "उनमें से एक

यह होगा कि तुम उस व्यक्ति के हाथ को पकड़ोगे जिसके लिये तुम प्रार्थना कर रहे हो, अपने बायें हाथ से उसके दायें हाथ को पकड़ोगे,'' और कहा, ''फिर बस शान्त खड़े रहना, और ऐसा होगा... तुम्हारे शरीर पर एक भौतिक प्रभाव होगा जो कि तुम्हारे शरीर पर होगा।'' और कहा, ''फिर तुम प्रार्थना करना। और यदि वह समाप्त हो जाता है, वह बिमारी लोगों में से चली गयी है। यदि ऐसा नहीं होता है, बस आशीष माँगना और चले जाना।''

''अच्छा,'' मैंने कहा, ''श्रीमान, मुझे डर है कि वे मुझे ग्रहण नहीं करेंगे।''

156 उसने कहा, ''और अगली बात यह होगी, यदि वे उस बात को नहीं सुनेंगे, तब फिर वे इसे सुनेंगें।'' कहा, ''फिर ऐसा घटित होगा कि तुम उनके मन के उन गुप्त विचारों को जान जाओगे।'' कहा, ''वे इसे सुनेंगे।''

157 ''अच्छा,'' मैंने कहा, 'श्रीमान, इसीलिये मैं यहाँ आज रात्रि यहाँ पर हूँ। मुझे अपने पुरोहित लोगों ने बताया है कि वे बातें जो कि मेरे पास आ रहीं थीं, वे गलत हैं।''

158 उसने कहा, ''तुम इस संसार में इसी उद्देश्य के लिये जन्में थे।''(समझे, ''बरदान और बुलाहटें बिना मन फिराये हुये प्राप्त होती हैं।'') उसने कहा, ''तुम्हारा जन्म इस संसार में इसी उद्देश्य के लिये हुआ था।''

159 और मैंने कहा, ''अच्छा श्रीमान,'' मैंने कहा, ''मेरे पुरोहित लोगों ने यह बताया था कि यह दुष्ट आत्मा है।'' और मैंने कहा, ''वे...इसी लिये मैं प्रार्थना कर रहा हूँ।''

160 और यहाँ पर वह बात है जिसका हवाला उसने मुझे दिया। उसने मुझे यीशु मसीह के पहले आगमन के विषय में बताया। और मैंने कहा...

161 मित्रों, विचित्र बात यह थी कि... अच्छा, मैं एक मिनट के लिये ठीक यहाँ पर रूकूंगा, पीछे जाऊँगा। जिसे बात ने मुझे और अधिक भयभीत कर दिया था कि हर एक बार जब मेरी मुलाकात भावी बतानेवाले से होती थी, वे किसी बात को पहचान जाते थे कि कुछ बात घटित हुयी है। और वह बात बस...वह बात लगभग मुझे लगभग मार देती थी।

162 उदाहरण के रूप में, एक दिन मेरा चचेरा भाई और मैं एक–एक मेले के स्थान पर गये, और हम बस लड़के ही थे, चल रहे थे। अतः वहाँ पर एक छोटी सी भावी बतानेवाली उन तम्बुओं में से एक के बाहर बैठी हुयी थी, वह एक युवा स्त्री थी, देखने में सुन्दर एक युवा स्त्री थी, वह वहाँ पर बैठी हुयी थी। और हम सभी जा रहे थे, पास से गुजर रहे थे। उसने कहा, ''तुम, एक मिनट के लिये यहाँ पर आओ!'' और हम तीनों लड़को ने पीछे मुड़कर देखा। और उसने कहा, ''तुम जो कि धारीदार स्वेटर पहने हुये हो।'' वह मैं था।

163 और मैंने कहा, ''जी हाँ, मैम?'' मैंने सोचा कि शायद वह मुझसे यह चाहती है कि मैं जाकर उसके लिये कोक, या उस प्रकार की कुछ और चीज लेकर आऊँ। और वह एक–एक युवा स्त्री थी, शायद बीस वर्ष से थोड़ा सा ज्यादा उम्र की थी, या कुछ उस प्रकार से थी, वहाँ पर बैठी हुयी थी। और मैं चलकर गया, मैंने कहा, ''हाँ, मैम, मैं आपके लिये क्या कर सकता हूँ?''

164 और उसने कहा, ''यदि यह कहा जाये, क्या तुम जानते हो कि एक–एक उजियाला तुम्हारे पीछे पीछे चलता है? तुम्हारा जन्म किसी निश्चित चिन्ह के नीचे हुआ था।''

मैंने कहा, ''तुम्हारा क्या मतलब है?''

165 उसने कहा, ''अच्छा, तुम्हारा जन्म किसी निश्चित चिन्ह के नीचे हुआ था। एक उजियाला है जो कि तुम्हारे पीछे पीछे चलता है। तुम्हारा जन्म किसी दिव्य बुलाहट के लिये हुआ है।''

मैंने कहा, "स्त्री, यहाँ से दूर चली जाओ!"

166 मैंने चलना आरंभ किया क्योंकि मेरी माँ हमेशा मुझे यह बताती थी कि वे चीजें शैतान होती हैं। वह ठीक थी। अतः मैंने... उस बात ने मुझे भयभीत कर दिया।

167 और एक दिन जब मैं वन में कार्ययत था, जानवरों के कल्याण को देखता था, मैं एक बस में जा रहा था। और मैं बस पर चढ़ गया। हमेशा से ही मैं आत्मायों के द्वारा प्रभावित हो जाता था। मैं वहाँ पर खड़ा हुआ था, और यह नाविक मेरे पीछे खड़ा हुआ था। और मैं गश्त पर जा रहा था, और मैं हेनरीविले वनप्रान्त में जा रहा था, मैं बस पर था। मैं किसी प्रकार विचित्र बात का अनुभव कर रहा था। मैं वहाँ पर चारों ओर देखा, और वहाँ पर अच्छे कपड़े पहने हुये एक–एक भारी भरकम महिला बैठी हुयी थी। उसने कहा, "आप कैसे हैं?"

कहा, "आप कैसी हैं!"

168 मैंने सोचा कि वह बस एक स्त्री थी जो कि बात कर रही थी, अतः मैं बस... उसने कहा, "मैं तुमसे एक मिनट बात करना चाहती हूँ।"

मैंने कहा, "हाँ मैम?" मैं पीछे मुड़ा।

उसने कहा, "क्या तुम जानते हो कि तुम्हारा जन्म किसी चिन्ह के समय में हुया था?"

169 मैंने सोचा, "यह उन हास्यजनक स्त्रीयों में से एक स्त्री है।" अतः मैंने बस बाहर देखा। अतः मैंने बस एक शब्द नहीं कहा, बस मैं...

170 उसने कहा, "क्या मैं तुमसे एक मिनट बात कर सकती हूँ?" मैं बस ...रहा उसने कहा, "इस प्रकार से व्यवहार नहीं करो।"

171 मैं बस आगे की ओर देखता रहा। मैंने सोचा, ''यह सज्जन व्यक्ति की तरह से व्यवहार करना नहीं है।''

उसने कहा, ''मैं तुमसे एक छण के लिये बात करना चाहती हूँ।''

172 मैं बस आगे देखता रहा, और मैंने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया। मैंने तुरन्त सोचा, ''मैं विश्वास करता हूँ कि यदि बाकि उन सब लोगों की तरह से नहीं कहेगी।'' मैं पीछे मुड़ा, मैंने सोचा, ''ओह मेरे परमेश्वर! यह बात मुझे थरथरा देती, मैं जानता हूँ।'' क्योंकि मैं उस बात को सोचने से घृणा करता था। मैं पीछे मुड़ा।

173 उसने कहा, ''शायद मैं इस बात को स्वयं अच्छी तरह से समझा पाऊँ।'' उसने कहा, ''मैं ज्योतिषि हूँ।''

मैंने कहा, ''मैंने सोचा था कि आप कुछ उस प्रकार की स्त्री हैं।''

174 उसने कहा, ''मैं शिकागो अपने पुत्र से मिलने के लिये जा रही हूँ जो कि एक बैपटिस्ट सेवक है।''

मैंने कहा, ''हाँ मैम।''

175 उसने कहा, ''किसी ने कभी तुमको यह बताया है कि तुम्हारा जन्म एक चिन्ह के समय हुआ है।''

176 मैंने कहा, ''नहीं मैम।'' मैंने उससे वहाँ पर झूठ बोला, समझे, और मैंने कहा...बस यह देखना चाहता था कि वह क्या कहने जा रही है। और उसने कहा...मैंने कहा, ''नहीं मैम।''

और उसने कहा, ''क्या नहीं...सेवकों ने तुम्हें क्या कभी यह बताया है?''

मैंने कहा, ''मेरा सेवकों के साथ में कुछ लेना देना नहीं है।''

और उसने कहा, ''ऊह।''

और मैंने कहा...उसने—उसने मुझसे कहा...मैंने कहा, ''अच्छा...''

177 उसने कहा, ''यदि मैं तुम को ठीक ढीक यह बता दूं कि तुम्हारा जन्म कहाँ पर हुआ है, क्या तुम मेरा विश्वास करोगे?''

मैंने कहा, ''नहीं मैम।''

और उसने कहा, ''अच्छा, मैं यह बता सकती हूँ कि तुम्हारा जन्म कब हुआ था।''

मैंने कहा, ''मैं यह विश्वास नहीं करता हूँ।''

178 और उसने कहा, ''तुम्हारा जन्म अप्रैल 6, 1909 में प्रातः पाँच बजे हुआ था।''

179 मैंने कहा, ''यह ठीक बात हैं।'' मैंने कहा, ''तुमको यह कैसे पता है?'' मैंने कहा, ''इस नाविक को बताओ कि उसका जन्म कब हुआ था।''

कहा, ''मैं नहीं बता सकती हूँ।''

और मैंने कहा, ''क्यों? आप कैसे जानती हैं?''

180 कहा, ''देखो श्रीमान।'' उसने कहा, अब उसने खगोल—विज्ञान के विषय में बातचीत करना आरंभ कर दिया, और उसने कहा, ''हर एक इतने सारे वर्षों के बाद...'' कहा, ''तुमको स्मरण है जब मजूसी यीशु को देखने आये थे।''

181 और मैं एक प्रकार से रूका, आप जानते हैं, मैंने कहा, ''अच्छा, मैं धर्म के विषय में कुछ नहीं जानता हूँ।''

182 और उसने कहा, ''अच्छा, क्या तुमने सुना हैं कि मजूसी यीशु के पास में आये थे।''

मैंने कहा, ''हाँ।''

और उसने कहा, ''अच्छा, वे मजूसी कौन थे?''

''ओह,'' मैंने कहा, ''वे बस मजूसी थे, बस यही सब कुछ मैं जानता हूँ।''

183 उसने कहा, ''अच्छा, मजूसी कौन होते हैं?'' उसने कहा, ''वे वही होते हैं जो कि मैं हूँ, एक ज्योतिषि, वे उन्हें 'तारों को देखने वाला' कहते हैं।'' और उसने कहा, ''तुम जानते हो, इससे पहले की परमेश्वर पृथ्वी पर कुछ करता है, वह उस बात को स्वर्ग में घोषित करता है, और फिर पृथ्वी पर करता है।''

और मैंने कहा, ''मैं नहीं जानता हूँ।''

184 और उसने कहा, ''अच्छा...'' उसने दो या तीन, दो...तीन तारों के नाम बताये जैसे कि मंगल, बृहस्पति और शुक्र। यह वो तारे नहीं थे, परन्तु उसने कहा, ''उन्होंने एक दूसरे के मार्गों को काटा और एक साथ आ गये थे और बनाया...'' कहा, ''तीन मजूसी प्रभु यीशु से मिलने के लिये आये थे, और एक शेम के वंश से था, और एक हाम से था, और अगला येपेत से था।'' और कहा, ''जब वे बेतलहम में एक साथ मिले, जिन तीन सितारों में से वे थे... पृथ्वी पर हर एक व्यक्ति,'' कहा, ''उनका उन सितारों से संबन्ध होता है।'' कहा, ''वहाँ उस नाविक से पूछो जब चाँद चला जाता है और स्वर्गीय ग्रह चले जाते हैं, ज्वार भाटा उनके साथ में अन्दर और बाहर नहीं जाते हैं।''

मैंने कहा, "मुझे उससे यह बात पूछने की आवश्यकता नहीं है, मैं उस बात को जानता हूँ।"

185 और उसने कहा, "अच्छा, तुम्हारे जन्म का संबन्ध उन सितारों से है जो कि वहाँ ऊपर हैं।"

और मैंने कहा, "अच्छा, वह बात मैं नहीं जानता हूँ।"

186 और उसने कहा, "अब, यह तीन मजूसी आये थे।" और कहा, "जब वे तीन सितारे, जब वे...वे तीन दिशाओं से आये थे और वे बेतलहम में मिले थे। और उन्होंने कहा था कि उन्होंने पता लगाया और पूछा, और वे शेम, हाम और येपेत के वंश में से आये थे, जो कि नूह के तीन पुत्र थे।" और उसने कहा, "फिर वे आये और प्रभु यीशु मसीह की आराधना की।" और कहा, "जब वे चले गये," कहा, "वे उसके लिये उपहारों को लेकर आये थे और उसको दिये थे।"

187 और कहा, "यीशु मसीह ने अपनी सेवकाई में कहा था कि जब यह सुसमाचार सारे संसार (शेम, हाम और येपेत) में प्रचार हो जायेगा, वह फिर से वापस आयेगा।" और उसने कहा, "अब, वे ग्रह, स्वर्गीय ग्रह, जैसे कि वे चारों ओर चला करते हैं...क़हा, ––वे अलग हो गये थे। उनको पृथ्वी पर कभी भी बहुत समय से जाना नहीं गया था। परन्तु" कहा, "इतने सौ वर्षों के बाद वे अपनी परिक्रमाओं को इस प्रकार से काटते हैं।" यदि यहाँ पर कोई खगोलशास्त्री होता, आप जान जाते कि वह किस विषय में बात कर रही है। मैं नहीं जान पाया। अतः जब वह बात... कहा, "वे इस प्रकार से काटते हैं।" और कहा, "उस महान उपहार की याद में जो कि मनुष्य जाति को कभी दिया गया था, जब कि परमेश्वर ने अपना पुत्र दे दिया था। जब यह ग्रह एक दूसरे के पथ को फिर से काटते हैं, क्यों," कहा, "वह पृथ्वी पर एक और उपहार को भेज रहा था।" और कहा, "तुम्हारा जन्म उस समय में हुआ था जब यह पथ का काटा जाना हो रहा था।" और कहा, "यही कारण है कि मैं इस बात को जानती थी।"

188 अच्छा, फिर मैंने कहा, ''महिला, पहली बात तो यह है कि मैं उस बात के विषय में कुछ भी विश्वास नहीं करता हूँ। मैं धार्मिक नहीं हूँ और मैं उस बात के विषय में और अधिक सुनना नहीं चाहता हूँ!'' मैं दूर चला गया। और अतः मैंने उसकी बात को बहुत जल्द बीच में ही काट दिया। अतः मैं बाहर चला गया।

189 और हर एक बार कोई... मैं उनमें से किसी व्यक्ति के पास आता, इसी प्रकार से वहाँ पर होता था। और मैंने सोचा, ''वे शैतान इस प्रकार की बात को क्यों करते हैं?''

190 फिर प्रचारक कहते हैं, ''वह शैतान है! वह शैतान है!'' उन्होंने मुझे इस बात पर विश्वास करा दिया था।

191 और फिर उस रात्रि वहाँ ऊपर, मैंने उससे पूछा, मैंने कहा, ''अच्छा, यह सारे माध्यम और चीजें उस प्रकार से क्यों होती हैं, और वे शैतान से भरे हुये लोग क्यों होते हैं जो कि मुझे हमेशा उस बात के विषय में बताते रहते हैं; और पुरोहित लोग, जो कि मेरे भाई हैं, मुझे यह बताते हैं कि यह दुष्ट आत्मा है?''

192 अब सुनिये कि उसने क्या कहा, यह वाले व्यक्ति ने जिसकी तस्वीर यहाँ पर लटकी हुयी है। उसने कहा, ''जैसा कि तब था, वैसा ही अब है।'' और उसने मुझे उस बात का उल्लेख करना आरंभ किया कि, ''जब प्रभु यीशु मसीह की सेवकाई होने लगी, सेवकों ने कहा, 'यही बालजबूल है, शैतान है'; परन्तु शैतानों ने कहा, 'वह परमेश्वर का पुत्र है, इस्राएल का पवित्र जन है।' शैतान... और पौलूस और बरनाबास को देखो जब कि वे वहाँ पर थे और प्रचार कर रहे थे। सेवकों ने कहा, ''यह मनुष्य संसार को उलट पुलट किये देते हैं। वे शैतान हैं, वे–वे शैतान के हैं।' और वह छोटी सी बूढ़ी भावी बताने वाली स्त्री जो कि वहाँ बाहर सड़क पर थी, उसने यह पहचान लिया कि पौलूस और बरनाबास परमेश्वर के जन थे, कहा, 'ये परमेश्वर के जन हैं जो कि तुम्हें जीवन का मार्ग बताते हैं।''' क्या यह ठीक बात है? ''प्रेतआत्मावादी और भावी

बताने वाले, शैतान से भरे हुये लोग थे।''

193 परन्तु हम धर्मशिक्षाज्ञान में इतना अधिक फँस जाते हैं जब तक कि हमाको आत्मा के विषय में कुछ भी पता नहीं होता है। मैं आशा करता हूँ कि आप मुझसे इस बात के बाद प्रेम करेंगे। परन्तु बस यही बात है। मेरा मतलब पिन्तेकुस्त से भी है! यह ठीक बात है। बस चिल्लाने चारों ओर नाँचने का यह अर्थ नहीं होता है कि आप आत्मा के विषय में कुछ जानते हैं।

194 यह व्यक्तिगत संपर्क आमने सामने होता है जिसकी आप को आवश्यकता है। उसी प्रकार की कलीसिया को परमेश्वर ऊपर उठाने जा रहा है, यह ठीक बात है, जब वे एक साथ एकता में और सामर्थ में, आत्मा के साथ में आते हैं।

195 और उसने उस बात का उल्लेख किया। और उसने मुझे बताया कि किस प्रकार से सेवकाई को गलत समझा गया, और मुझे विश्वास दिलाया कि सेवकाई को गलत समझा गया है। और जब उसने मुझे उन सब बातों के विषय में बताया और यह बात कि कैसे यीशु...

196 मैंने कहा, ''अच्छा, इस बात के विषय में क्या, यह बातें जो कि मेरे साथ होती हैं?''

197 और आप समझे, उसने कहा, ''यह और फलेगी और बड़ी और बड़ी होती जायेगी।'' और उसने मुझे यह उल्लेख किया, मुझे यह बताया कि कैसे यीशु ने इसे किया था; कि वह कैसे आया था और वह सामर्थ से भरा हुआ था कि वह बातों को पहले से जानता था और कुयें पर स्त्री को बता सकता था, वह चंगा करनेवाला होने का दावा नहीं करता था, वह यह दावा करता कि वह बस उन बातों को करता है जैसा कि पिता उसे दिखाता था।

मैंने कहा, ''अच्छा, वह किस प्रकार का आत्मा होगा?''

उसने कहा, ''वह पवित्र आत्मा था।''

198 फिर कुछ बात मेरे अन्दर घटित हुयी, कि मुझे यह अहसास हुआ कि ठीक उसी बात से जिससे कि मैंने अपनी पीठ मोड़ ली थी, यह वही बात थी जिसके लिये परमेश्वर मुझे यहाँ पर लेकर आया था। और मैंने यह अहसास किया कि यह बात उन गुजरे दिनों मे उन फरीसीयों की तरह थी, उन्होंने मुझे वचन का गलत अनुवाद बताया था। अतः तब से मैं उसका अपना अनुवाद लेना आरंभ किया, जो पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा।

मैंने उसे बताया, ''मैं जाऊँगा।''

उसने कहा, ''मैं तुम्हारे साथ में रहूंगा।''

199 और उस स्वर्गदूत ने फिर से उस उजियाले में कदम रखा जिसने कि उस प्रकार से उसके पैर के चारों ओर गोल–गोल और गोल–गोल घूमना आरंभ किया, वह उजियाले में ऊपर चला गया और भवन से बाहर चला गया।

मैं एक नया व्यक्ति बनकर घर गया।

200 कलीसिया तक चलकर गया और लोगों को उस बात के विषय में बताया। ...यह रविवार रात्रि को हुआ था।

201 और बुधवार रात्रि को वे एक स्त्री को वहाँ पर लेकर आये, जो कि मेयो अस्पताल में एक नर्स थी और कैन्सर से मर रही थी, वह कुछ नहीं बस एक परछाई थी। जब मैं वहाँ पर उसको पकड़ने के लिये चलकर गया, मेरे सामने एक दर्शन आया, उसे फिर से नर्स का कार्य करते हुये दिखाया गया। और वह लुईविले में ''बहुत से वर्षों से मरे हुयों'' की सूचि में थी। वह वहाँ पर अब जैफरसनविले में है, वह वर्षों से नर्स का कार्य कर रही है। क्योंकि मैं वहाँ पर ऊपर देखा, आर मैंने उस

दर्शन को देखा। मैं पीछे मुड़ा, मैं यह कठिनता से ही जान पा रहा था कि मैं क्या कर रहा हूँ, वहाँ पर खड़ा हुआ था, जब वे पहली बार उस मामले को लेकर आये थे और वहाँ पर रखा था तो मैं थरथरा गया था। और नर्से और वे लोग वहाँ उसके चारों ओर खड़े हुये थे, और वह वहाँ पर लेटी हुयी थी, और उसका चेहरा उसकी आँखों में पीछे की ओर ध ँस गया था।

202 मैरी मॉर्गन। यदि आप उन्हें पत्र लिखना चाहते हैं, तो वह है 411 नोब्लाच ऐवैन्यु, जैफरसनविले, ईन्डियाना। या आप क्लार्क काऊन्टी अस्पताल, जैफरसनविले, ईन्डियाना में लिखें। उन्हें अपनी गवाही देने दें।

203 मैं वहाँ पर नीचे देखा। और वहाँ पर यह पहला मामला था कि मैंने उसको उस चीज से बाहर आते देखा, एक दर्शन आया। मैंने उस स्त्री को फिर से नर्स का कार्य करते हुये देखा, वह चारो ओर चल रही थी, अच्छी और हृष्ट–पुष्ट और स्वस्थ थी। मैंने कहा, **"यहोवा यों** d grk g$" तुम जीओगी और मरोगी नहीं!'"

204 उसका पति जो कि संसार की चीजों में एक बहुत बड़ा व्यक्ति था, उसने मेरी तरफ इस प्रकार से देखा। मैंने कहा, "श्रीमान, आप भयभीत न हों! आप की पत्नी जीयेगी।"

205 उसने मुझे बाहर बुलाया, कहा...दो या तीन डाक्टरों को बुलाया, कहा, "आप उनको जानते हैं?"

मैंने कहा, "हाँ।"

206 "क्यों", कहा, "मैंने उसके साथ में गाल्फ खेला है। उसने कहा, "कैन्सर उसकी आँतों के चारों ओर लिपट गया है, आप उसको एनीमा लगाकर धो भी नहीं सकते हैं।'"

207 मैंने कहा, "मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ कि उसको क्या

है! यहाँ अन्दर कुछ बात है, मैंने एक दर्शन देखा है! और उस व्यक्ति जिसने मुझे बताया, कहा, जो भी कुछ मैंने देखा है, कि मैं उस बात को कह दूं और वैसा ही होगा। और उसने मुझे बताया और मैं विश्वास करता हूँ।''

208 परमेश्वर की महिमा होवे! उसके कुछ दिनों के बाद वह धोने के अपने कार्य को कर रही थी, चारों तरफ जा रही थी। उसका वजन अब लगभग एक सौ पैसठ पाऊंड है, वह पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

209 तब फिर जब मैंने उस बात को ग्रहण कर लिया, वह बात दूर तक गयी। तब राबर्ट डॉर्टी ने मुझे बुलाया। और यह बात टेक्सास से होते हुये संसार में चारों ओर तक गयी।

210 और एक रात्रि, लगभग चार या पाँच बार...मैं अन्य–अन्य भाषा में बोले जाने और ऐसी ही बातों को समझ नहीं सकता था। मैं पवित्र आत्मा के बपतिस्में में विश्वास करता था, यह विश्वास करता था कि लोग अन्य भाषाओं में बोल सकते हैं। और एक रात्रि जब मैं एक कैथीड्रल जो कि सेंट एनटोनीयो, टेक्सास में है...जा रहा था, वहाँ जा रहा था, एक छोटा लड़का इस प्रकार से अन्य भाषा में बोलने लगा जैसे कि एक बन्दूक चलती है, या जैसे कि एक मशीन गन तेजी से चलती है। बहुत पीछे, वहाँ पर बहुत पीछे एक लड़का खड़ा हुआ और कहा, ''**यहोवा यों कहता है!** वह व्यक्ति जो कि चलकर मंच पर जा रहा है वह एक सेवकाई को लेकर आगे जा रहा है जो कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर के द्वारा अभिषिक्त की हुयी है। जैसे कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु मसीह के पहले आगमन के पहले भेजा गया था, वैसे ही इसके पास एक संदेश है जिसके द्वारा प्रभु यीशु मसीह का दूसरा आगमन होगा।''

211 मैं चाहता था कि मैं अपने जूतों में समा जाऊँ। मैंने ऊपर देखा, मैंने कहा, ''क्या आप उस व्यक्ति को जानते हैं?''

उसने कहा, ''नहीं श्रीमान।''

मैंने कहा, "क्या तुम उसे जानते हो?"

उसने कहा, "नहीं श्रीमान।"

मैंने कहा, 'क्या तुम मुझे जानते हो?"

उसने कहा, "नहीं श्रीमान।"

मैंने कहा, "तुम यहाँ पर क्या कर रहे हो?"

212 उसने कहा, "मैंने अखबार में इस बात को पढ़ा था।" और अक्सर...वह सभाओं की पहली रात्रि थी।

मैंने वहाँ पर देखा और मैंने कहा, "तुम यहाँ पर कैसे आये?"

213 कहा, "मेरे कुछ लोगों ने मुझे यह बताया कि आप यहाँ पर आने जा रहे हैं, 'एक दिव्य चंगाई करने वाला' आनेवाला है, और मैं आ गया।"

मैंने कहा, "क्या तुम सभी एक दूसरे को नहीं जानते हो?"

उसने कहा, "नहीं।"

214 ओह मेरे परमेश्वर! वहाँ पर मैंने पवित्र आत्मा की उस सामर्थ को देखा था...जबकि एक बार पिछले समय में मैंने सोंचा था कि यह गलत था, और मैं जान गया कि मैं...यही परमेश्वर का स्वर्गदूत उन लोगों के साथ भी जुड़ा हुआ था जिन लोगों के पास वे बातें थीं। हालाँकि उनके पास झूठी बातें थीं और बहुत उस बात में बहुत सारी गड़बड़ी और बड़बड़ाना था, परन्तु वहाँ अन्दर एक वास्तविक चीज थी।(टेप में रिक्त स्थान–संम्पा)... मसीह। और मैंने देखा कि वह–वह सत्य बात थी।

215 ओह, बहुत सारे वर्ष गुजर गये, और सभाओं में लोग दर्शन और

उन चीजों को देखा करते थे।

216 एक बार एक फोटो खीचने वाले ने उसे तस्वीर में उतारा था जब मैं कहीं आरकैनसा में मेरा विश्वास है, लगभग इसी प्रकार की सभा में, लगभग इसी प्रकार के सभागृह में खड़ा हुआ था। और मैं खड़ा हुआ था और उस बात को समझाने का यत्न कर रहा था। लोग जानते थे, वे बैठते थे और सुनते थे, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रिसबेटेरियन और ऐसे ही लोग थे। और फिर मैंने संयोगवश देखा, द्वार से ''वूऊऊशश, वूऊऊशश'' करता हुआ यहाँ अन्दर आ रहा था।

217 मैंने कहा, ''मुझे और अधिक बोलना नहीं पड़ेगा, क्योंकि अब वह यहाँ पर अन्दर आ रहा है।'' और वह ऊपर की ओर गया, और लोग चिल्लाने लगे। जहाँ पर मैं था वह वहाँ तक आया और वहीं चारों ओर आकर रूक गया।

218 जैसे ही वह नीचे आ रहा था, एक सेवक भागकर ऊपर गया और कहा, ''यदि यह कहा जाये, मैं उसको देख सकता हूँ!'' और उस बात ने उसको इतना अधिक अंधा कर दिया जितना की हो सकता था, वह पीछे की ओर लड़खड़ाया। आप उसकी तस्वीर को ठीक वहाँ पर पुस्तक में देख सकते हैं और उसे देख सकते हैं जब वह पीछे की ओर अपने सिर को इस प्रकार से नीचे करके लड़खड़ाया।

219 और वह वहाँ पर रूक गया। बस तभी अखबार के छायाकार ने उसे उस समय तस्वीर में उतार लिया। परन्तु परमेश्वर तैयार नहीं था।

220 और एक रात्रि हयूस्टन, टेक्सास में जब ओह, सहस्त्रों गुना सहस्त्रों लोग थे... हमारे पास में आठ सौ... आप उसे क्या कहते हैं कि संगीत भवन में आठ हजार लोग थे, वे इस बड़े सैम हयूस्टन सभाघर में आये थे।

221 और उस रात्रि उस वादबिवाद में जब उस बैपटिस्ट प्रचारक ने

कहा था कि ''मैं एक नीच पाखंडी के अलावा कुछ नहीं हूँ और एक धोखबाज हूँ, एक धार्मिक धोखेबाज, और मुझे शहर से बाहर निकाल देना चाहिये'' और उसे ही ऐसा करना चाहिये।

222 भाई बासवर्थ ने कहा, ''भाई ब्रन्हम, क्या आप किसी इस प्रकार की बात को होने देंगे? उसको बुलायें!''

223 मैंने कहा, ''नहीं श्रीमान, मैं बहस करने में विश्वास नहीं करता हूँ। सुसमाचार बहस करने के लिये नहीं है, यह जीने के लिये है।'' और मैंने कहा, ''इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप उसको कितना कायल करें, वह बस उसी तरह से ही करेगा।'' मैंने कहा, ''वह..उसको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यदि परमेश्वर उसके हृदय से बातचीत नहीं कर सकता है, तो मैं कैसे कर सकता हूँ?''

224 अगले दिन वह बात बाहर आयी, कहा, ''यह इस बात को दिखाता है कि वे किस चीज के बने हुये हैं,'' हयूस्टन क्रानीकल में ऐसा छपा। कहा, ''यह इस बात को दिखाता है कि वे किस चीज के बने हुये हैं, वे उस बात को ग्रहण करने के लिये डरते हैं जिसे बात का वह प्रचार करते हैं।''

225 बूढ़े भाई बासवर्थ मेरे पास आये, वे तब सत्तरवें वर्ष में थे, प्यारे से बूढ़े भाई थे, अपने हाथ को मेरे चारों ओर डाला, कहा, ''भाई ब्रन्हम,'' उन्होंने कहा, ''आप का यह मतलब है कि आप उस बात का उत्तर नहीं देने जा रहे हैं?''

226 मैंने कहा, ''नहीं भाई बासवर्थ। नही श्रीमान। मैं उस बात का उत्तर देने नहीं जा रहा हूँ।'' मैंने कहा, ''इस बात से कुछ भी अच्छा नही होगा।'' मैंने कहा, ''जब हम मंच को छोड़ेंगे तो उस बात से बहस छिड़ जायेगी।'' मैंने कहा, ''मैं अब सभा कर रहा हूँ, और मैं नहीं चाहता हूँ कि बातें इस प्रकार से बिगड़ जायें।'' मैंने कहा, ''बस उसे जाने दो।''

मैंने कहा, ''बस यही बात है, वह बस बड़बड़ा रहा है।'' मैंने कहा, ''हम उनसे पहले भी मिले हैं, और उनसे बातचीत करने से कुछ भी अच्छा नहीं होता है।'' मैंने कहा, ''वे अपने आप को उसी प्रकार की अवस्था में रोके हुये चले जायेंगे।'' मैंने कहा, ''यदि वे एक बार सत्य के ज्ञान को प्राप्त कर लें और फिर वे उस बात को ग्रहण नहीं करते हैं, बाईबिल ने कहा कि उन्होंने अलग करने वाली रेखा को पार कर लिया है और वे न तो इस संसार में और न तो आने वाले संसार में क्षमा किये जायेंगे। वे उस बात को ''शैतान'' कहते हैं और वे उस बात में अपनी सहायता नहीं कर सकते हैं। वे धार्मिक आत्मा से भरे हुये हैं जो कि शैतान है।

227 आप से कितने इस बात को जानते हैं कि शैतान की आत्मा धार्मिक है? जा हाँ श्रीमान, वे बस उतने ही सिद्धान्तवादी हैं जितना कि वे हो सकते हैं। और अतः, फिर, यह बात इतनी अच्छी नहीं लगी जब मैंने बोला, ''सिद्धान्तवादी,'' परन्तु यह सत्य बात है। ''भक्ति का भेष तो धरेंगे परन्तु उसकी सामर्थ को न मानेंगे।'' यह ठीक बात है। चिन्ह और चमत्कार ही हमेशा परमेश्वर को प्रमाणित करते हैं, हमेशा। और उसने यह कहा है अंतिम दिनों में वैसा ही होगा। और ध्यान दें!

228 बूढ़े भाई बासवर्थ, मैं... वे मेरे साथ आने जा रहे थे, और वह एक प्रकार से थके हुये थे। वे बस अभी जापान से आये थे। वह यहाँ पर आने जा रहे थे। वह मेरे साथ लूब्बक नामक स्थान पर आने जा रहे थे। और अतः वह थे... उनको थोड़ा सा, बुरा जुकाम था, अतः वह इस वाली में नहीं आ पाये थे, वह और उनकी पत्नी नहीं आ पाये थे। और अतः उन्होंने...

229 सब यही सोचते थे कि वे कालेब की तरह से दिखते हैं। वह वहाँ पर खड़े होकर बोले, ''अच्छा, भाई ब्रन्हम,'' आप जानते हैं, वे गौरवपूर्ण तरह से दिखते थे, उन्होंने कहा, ''मुझे जाकर उस बात को करने दें,'' और कहा, ''यदि आप इस बात को नहीं करना चाहते हैं।''

230 मैंने कहा, ''ओह भाई बासवर्थ, मैं—मैं यह नहीं चाहता हूँ कि

आप उसे करें। आप बहस में लग जायेंगे।"

उन्होंने कहा, "बहस का एक शब्द तक नहीं होगा।"

231 अब, इससे पहले कि मैं समाप्त करूं, इसे सुने। वह वहाँ पर गये। मैंने कहा, "यदि आप बहस नहीं करेंगे, तो ठीक है।"

कहा, "मैं यह प्रतिज्ञा करता हूँ कि बहस नहीं करूंगा।"

232 उस रात्रि लगभग हजार लोग उस सभाघर में जाने के लिये एकत्र हुये थे। भाई वुड, जो कि यहाँ पर बैठे हुये हैं, उस समय उपस्थित थे, उस सभाघर में बैठे हुये थे। और मैं...

233 मेरे लड़के ने कहा, या..मेरी पत्नी ने कहा, "तुम उस सभा में नहीं जा रहे हो?"

234 मैंने कहा, "नहीं। मैं वहाँ पर जाकर उनको बहस करते हुये सुनना नहीं चाहता हूँ। नहीं श्रीमान। मैं वहाँ पर जाकर उस बात को नहीं सुन सकता हूँ।"

जब रात्रि का समय आया, किसी ने कहा, "वहाँ पर जाओ।"

235 मैंने, मेरे भाई ने, और मेरी पत्नी और बच्चों ने टैक्सी ली और वहाँ पर चले गये। और मैं बालकनी में वहाँ ऊपर तीसवीं सीट पर वहाँ ऊंचाई पर जाकर बैठ गया।

236 बूढ़े भाई बासवर्थ वहाँ पर बस एक बूढ़े व्यवहार–कुशल व्यक्ति कि तरह चलकर आये, आप जानते हैं। उन्होंने कुछ को उतार कर लिख लिया था... उन्होंने बाईबिल की छः सौ विभिन्न प्रतिज्ञाओं को उतार कर लिख लिया था। उन्होंने कहा, "अब, डाक्टर बेस्ट, यदि आप यहाँ पर आयेंगे और इन प्रतिज्ञाओं में से एक को लेंगे और बाईबिल के द्वारा गलत

साबित करेंगे। उनमें से हर एक प्रतिज्ञायें बाईबिल में हैं, जो कि यीशु मसीह का इन दिनों में बिमारों को चंगा करने के विषय में हैं। यदि आप इनमें से एक प्रतिज्ञा को ले सकें और, बाईबिल के द्वारा, बाईबिल से उसका खण्डन करें, मैं बैठ जाऊंगा, आपसे हाथ मिलाऊंगा, कहूंगा, 'आप ठीक हैं।''

237 उन्होंने कहा, ''जब मैं वहाँ ऊपर जाऊँगा, तो मैं उस बात का ध्यान रखूंगा!'' वह अंत में आना चाहता था ताकि वह भाई बासवर्थ के प्रभाव को समाप्त कर सके, समझे।

238 अतः भाई बासवर्थ ने कहा, ''अच्छा भाई बेस्ट, मैं आपसे एक पूछूंगा, और यदि आप मुझे 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर देंगे, '' कहा, ''हम बस इस बादविवाद को ठीक अभी समाप्त कर देंगे।''

और उन्होंने कहा—उन्होंने कहा, ''मैं उस बात का ध्यान रखूंगा!''

उन्होंने मध्यस्था करने वाले व्यक्ति से पूछा कि क्या वह उससे पूछ सकते हैं। कहा, ''हाँ।''

239 उन्होंने कहा, ''भाई बेस्ट, यहोवा के छुटकारा देने वाले नाम क्या यीशु पर लागू होते हैं? 'हाँ' या 'नहीं'?''

240 इस बात ने मामले को निपटा दिया। मामला समाप्त हो गया। मैं आपको बताता हूँ, मैंने बस अपने अन्दर से किसी चीज को जाते हुये अनुभव किया। स्वयं मैंने उस बात के विषय में कभी नहीं सोचा था, समझे। और मैंने सोचा, ''ओह मेरे परमेश्वर, वह उत्तर नहीं दे सकते हैं! उस बात ने बांध दिया था।''

उन्होंने कहा, ''अच्छा, डाक्टर बेस्ट, मैं—मैं चौंक गया हूँ।''

उन्होंने कहा, ''मैं उस बात का ध्यान रखूंगा!''

241 कहा, ''मैं चौंक गया हूँ कि आप मेरे सबसे कमजोर प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकते हैं।'' वह खीरे की तरह से ठंडे थे, और वह जान रहे थे कि वे कहाँ पर खड़े हैं। अतः फिर वह उस वचन के लेख के साथ में बैठ गये।

कहा, ''आप अपने तीस मिनट लें, मैं उस के बाद में उत्तर दूंगा!''

242 और बूढ़े भाई बासवर्थ वहाँ पर बैठे रहे और उस वचन को लिया और उस व्यक्ति को एक ऐसे स्थान तक बांध दिया जब तक कि उनका चेहरा इतना अधिक लाल हो गया कि आप लगभग उसपर से एक माचिस की तीली को जला सकते थे।

243 वह वहाँ पर से उठे, गुस्से में थे, और कागजों को फर्श पर फेंक दिया, वहाँ पर ऊपर गये और एक अच्छे से कैंपबेलाईट संदेश को प्रचार किया। मैं बैपटिस्ट था, मैं जानता हूँ कि वे क्या विश्वास करते हैं। वह कभी नहीं... वह पुनूरूत्थान पर प्रचार कर रहे थे, ''जब यह नाशवान अविनाश को पहन लेगा,' तब फिर हमारे पास दिव्य चंगाई होगी।'' ओह, मेरे परमेश्वर! जब हम अविनाशी हो जायेंगे, तब हमें दिव्य चंगाई कि क्या आवश्यकता होगी (''जब नाशवान अविनाश को पहने लेगा,'' मरे हुयों का पुनुरूत्थान)? उन्होंने यहाँ तक कि उस आश्चर्यकर्म पर भी संदेह किया जो कि यीशु मसीह ने लाजरस पर किया था, कहा, ''वह फिर से मर गया, और वह बस एक अस्थायी बात थी।'' समझे?

244 और जब उन्होंने उस प्रकार से समाप्त किया, उन्होंने कहा, ''उस दिव्य चंगाई करंने वाले को सामने लाओ और जरा मैं उसे उस बात को करते हुये देखूं!''

245 फिर वहाँ पर उन्होंने पानी में जोर जोर से हाथ मारना आरंभ कर दिया। भाई बासवर्थ ने कहा, ''भाई बेस्ट, मैं आपके ऊपर अचम्भित हूं, कि आप मेरे एक प्रश्न का उत्तर नहीं दे रहे हैं जो कि मैंने आपसे पूछा है।''

246 और अतः वे बहुत उत्तेजित हो गये, उन्होंने कहा, ''उस दिव्य चंगाई करने वाले को सामने लाओ और जरा मैं उसे उस बात को करते हुये देखूं!''

कहा, ''भाई बेस्ट, क्या आप यह विश्वास करते हैं कि लोग उद्धार पा रहे हैं?''

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से!''

कहा, ''क्या आप यह चाहते हैं कि आप को दिव्य उद्धारकर्ता के नाम से बुलाया जाये?''

कहा, ''निश्चित रूप से नहीं!''

247 ''न ही... आप का प्राण के उद्धार पाने का प्रचार करना आप को दिव्य उद्धारकर्ता नहीं बना देता है।''

उन्होंने कहा, ''अच्छा, निश्चित रूप से नहीं!''

248 कहा, ''न तो भाई ब्रन्हम का शरीर की दिव्य चंगाई के प्रचार करने से वो दिव्य चंगाई करनेवाले बन जाते हैं। वह दिव्य चंगाई करने वाले नहीं हैं, वह बस यीशु मसीह की ओर इशारा क़रते हैं।''

249 और उन्होंने कहा, ''उन्हें सामने लाओ, जरा मैं उसे उस बात को करते हुये देखूं! जरा मुझे लोगो को आज से एक साल के बाद देखने दें, और मैं आप को यह बता दूंगा कि मैं विश्वास करता हूँ कि नहीं।''

250 भाई बासवर्थ ने कहा, ''भाई बेस्ट, यह कलवरी पर हुयी उस घटना की तरह लगता है, 'तू सलीब पर से नीचे उतर आ और हम तुझ पर विश्वास कर लेंगे।''' समझे?

251 और अतः, ओह, तब फिर उन्हें वास्तव में बहुत गुस्सा आ गया। उन्होंने कहा, ''जरा मैं उसे उस बात को करते हुये देखूं!'' मध्यस्था करने वालों ने उन्हें नीचे बैठाया। वह वहाँ पर चलकर गये, और वहाँ पर एक पिन्तेकोस्तल प्रचारक खड़ा हुआ था, उन्होंने उसको बस मंच पर से

मार कर गिरा दिया। और अतः उन्होंने तब उन्हें फिर से रोका। (अतः भाई बासवर्थ ने कहा, "यहाँ पर देखें, यहाँ पर देखें! नहीं, नहीं।") अतः मध्यस्था करने वालों ने उन्हें नीचे बैठाया।

252 रेमन्ड रिची खड़े हुये, कहा, "क्या यही पश्चिमी बैपटिस्ट सभा का व्यवहार करने का तरीका है?" कहा, "आप जो कि बैपटिस्ट प्रचारक हैं, क्या पश्चिमी बैपटिस्ट सभा ने इस व्यक्ति को यहाँ पर भेजा है या वह अपने आप से आया है?" उन्होंने उत्तर **नहीं** दिया। उन्होंने कहा, "मैंने अपसे पूछा है!" वह उनको जानते थे, उनमें से हर एक को जानते हो।

253 उन्होंने कहा, "वह अपने आप से आया है।" क्योंकि मैं जानता हूँ कि बैपटिस्ट भी दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं। अतः फिर उसने कहा, "वह अपने आप से आया है।"

254 अतः फिर यह वह बात थी जो कि हुयी। तब भाई बासवर्थ ने कहा, "मैं जानता हूँ कि भाई ब्रन्हम सभा में हैं, यदि वह आना चाहते हैं और सभा को विसर्जित करना चाहते हैं, तो यह बहुत अच्छी बात होगी।"

अतः हावर्ड ने कहा, "आप शान्त बैठे रहें!"

मैंने कहा, "मैं शान्त बैठा हुआ हूँ।"

255 और ठीक तभी कुछ चीज घूमती हुयी आई, गोल–गोल घूमने लगी, औश्र मैं जानता था कि वह प्रभु का दूत था, कहा, "खड़े हो जाईये।"

256 लगभग पाँच सौ लोगों ने अपने हाथों को इस प्रकार से कर लिया, मंच तक एक गलियारे को बना दिया।

257 मैंने कहा, "मित्रों, मैं दिव्य चंगाई करने वाला नहीं हूँ। मैं आपका भाई हूँ।" मैंने कहा, "भाई बेस्ट, ...के साथ नहीं।" या, "भाई बेस्ट," **मैंने**

कहा, "मेरे भाई, मैं आपका अनादर नहीं कर रहा हूँ, बिलकुल भी नहीं। आपको अपनी दृढ़ धारणाओं को रखने का अधिकार है, वैसे ही मुझको भी है।" मैंने कहा, "क्योंकि आप समझे, आप अपनी बात को भाई बासवर्थ के द्वारा सिद्ध नहीं कर पाये। न ही आप उस व्यक्ति के द्वारा कर पायेंगे जो कि बाईबिल को अच्छी प्रकार से जानता हो, जो कि उन बातो को जानता है।" मैंने कहा, "और जहाँ तक लोगों को चंगा करने की बात है, मैं उन्हें चंगा नहीं कर सकता हूँ, भाई बेस्ट। परन्तु मैं यहाँ पर प्रत्येक रात्रि उपस्थित रहूंगा, यदि आप प्रभु को आश्चर्यकर्मो को करते हुये देखना चाहते हैं, आप आ जायें। वह इनको प्रत्येक रात्रि करता है।"

258 और उन्होंने कहा, "मैं आपको किसी को चंगा करते हुये देखना चाहता हूँ और उन्हें मेरी ओर देखने दें! आप शायद उन्हें अपनी सम्मोहन शक्ति के द्वारा उनको सम्मोहित कर दें, परन्तु" कहा, "मैं उस को आज से एक वर्ष के बाद देखना चाहता हूँ!"

मैंने कहा, "अच्छा, भाई बेस्ट, आप को अधिकार है कि आप उनको जाँचें।"

259 उन्होंने कहा, "कोई और नहीं परन्तु आप लोगों को झुण्ड जिनका दिमाग सुन्न पड़ गया है इन जैसी चीजों पर विश्वास करते हैं। बैपटिस्ट उस प्रकार की बकवास में विश्वास नहीं करते हैं।"

260 भाई बासवर्थ ने कहा, "बस एक क्षण।" कहा, "आप में से कितने लोग इन दो सप्ताहों की सभाओं में जो कि यहाँ पर हुयी हैं, और जिनका इन अच्छे बैपटिस्ट गिर्जों से जो कि यहाँ हयूस्टन में हैं, अच्छे सम्बंध है, यह सिद्ध कर सकते हैं कि आप को सर्वशक्तिमान परमेश्वर के द्वारा चंगाई मिली जब भाई ब्रन्हम यहाँ पर थे?" और तीन सौ से भी ज्यादा खड़े हो गये। कहा, "उस बात के विषय में क्या?"

261 उन्होंने कहा, "वे बैपटिस्ट नहीं हैं!" कहा, "कोई भी कुछ भी

गवाही दे सकता है, फिर भी उस बात का यह अर्थ नहीं है कि यह सत्य है!''

262 कहा, ''परमेश्वर का वचन कहता है कि यह सत्य है, और आप उस चीज का सामना नहीं कर सकते हैं। और लोग कहते हैं कि यह सत्य बात है, और आप उस चीज को नीचा नहीं दिखा सकते हैं। अतः आप उस बात के विषय में क्या करने जा रहे हैं?'' समझे, उस प्रकार से।

263 मैंने कहा, ''भाई बेस्ट, मैं केवल वही बता रहा हूँ जो कि सत्य है। और यदि मैं सच्चा हूँ, परमेश्वर बाध्य है कि उस सत्य का समर्थन करे।'' मैंने कहा, ''यदि वह नहीं करता है...यदि वह सत्य का समर्थन नहीं करता है, तो वह परमेश्वर नही है।'' और मैंने कहा, ''मैं लोगो को चंगा नहीं करता हूँ। मैंने एक बरदान के साथ–के साथ जन्म लिया था कि मैं बातों को होता हुआ देख पाता हूँ, उन बातों को होता हुआ देखता हूँ।'' मैंने कहा, ''मैं जानता हूँ कि मुझे गलत समझा जाता है, परन्तु मैं अपने हृदय के दृढ़ निश्चय को पूरा करने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता हूँ।'' मैंने कहा, ''मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है। और यदि आत्मा जो कि आती है और दर्शनों और उन बातों को दिखाती है, यदि उस बात पर कोई प्रश्न है, मेरे पास आयें और पता लगायें।'' मैंने कहा, ''यही सब कुछ है।'' परन्तु मैंने कहा, ''परन्तु मेरे लिये, मैं अपने लिये कुछ भी नहीं कर सकता हूँ।'' और मैंने कहा, ''यदि मैं सत्य बताता हूँ, परमेश्वर इस बात के लिये बाध्य है कि इस बात की गवाही दे कि यह सत्य बात है।''

264 और लगभग उस समय, कुछ चीज, ''वूऊऊऊऊशशश,'' करते हुये गयी। यहाँ पर वो आता है, वह नीचे आ रहा था। और अमेरिकी फोटोग्राफरों का सगंठन जो कि डगलस स्टूडियो हयुस्टन, टेक्सास में है, उन्होंने एक बड़े कैमरे को वहाँ पर लगा रखा था(उनको फोटो खींचने के लिये मना था), उन्होंने फोटो खींच ली।

265 जब वे वहाँ पर श्रीमान बेस्ट की तस्वीर लेने के लिये थे, और

इससे पहले कि मैं वहाँ पर जाता, उन्होंने कहा, ''एक मिनट रूकिये! मेरे पास छः तस्वीर हैं जो कि यहाँ पर आने वाली हैं!'' उन्होंने कहा, 'यहाँ पर अब मेरी तस्वीर खींचो!'' और उन्होंने अपनी ऊँगली को उस बूढ़े संत की नाक में डाल दिया, इस प्रकार से, कहा, ''अब मेरी तस्वीर उतारो!'' और उन्होंने वैसा किया। तब उन्होंने अपनी मुट्ठी को लिया और ऊपर लाये, कहा, ''अब मेरी तस्वीर उतारो!'' और उन्होंने उस प्रकार से उसको उतारा। फिर उन्होंने उनके साथ फोटो खिचवाने के लिये इस प्रकार से किया। उन्होंने कहा, ''तुम इसे मेरी पत्रिका में देखोगे!'' इस प्रकार से।

266 भाई बासवर्थ वहाँ पर खड़े रहे और कुछ भी नहीं कहा। तब फिर उन्होंने इसकी तस्वीर ली।

267 उस रात्रि अपने घर जाते हुये, (कैथलिक लड़का जिसने वह तस्वीर ली थी), उसने इस दूसरे लड़के से कहा, उसने कहा, ''तुम उस बात के विषय में क्या जानते हो?''

268 उसने कहा, ''मैं जानता हूँ कि मैंने उनकी आलोचना करी। वह घेघा जो कि उस स्त्री के गले को छोड़कर चला गया था, मैंने कहा था कि उन्होंने उसको सम्मोहित किया था।'' कहा, ''मैं उस बात को कहने में गलत हो सकता हूँ।''

कहा, ''तुम उस तस्वीर के विषय में क्या सोचते हो?''

मैं नहीं जानता हूँ।''

269 उन्होंने उसको अम्ल में रखा। यहाँ पर उसकी ली गयी तस्वीर है, यदि आप चाहते हैं तो आप उससे पूछ सकते हैं। वे घर चले गये, वह वहाँ पर बैठा रहा, धूम्रपान करता रहा। अन्दर गया और भाई बासवर्थ की एक निकाली, वह निगेटिव थी। उसने दूसरी, तीसरी, चौथी, पाँचवीं, छठी को निकाला, और उनमें से हर एक खाली थीं। परमेश्वर अपने बूढ़े

संत व्यक्ति को उस पाखंडी के साथ, उसकी नाक, और हाथ, और उसकी मुट्ठी को उनकी नाक के नीचे इस प्रकार से हिलाते हुये तस्वीर लेने की आज्ञा नहीं देगा। वह इसकी आज्ञा नहीं देगा।

270 उन्होंने दूसरी वाली को निकाला, और यहाँ पर वह था। उन्होंने कहा कि उस रात्रि उस व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा।

271 और उन्होंने इस निगेटिव को वाशिंगटन डी0सी0 भेजा। उसको प्रतिलिपिअधिकार दिया गया, वापस भेजा गया।

272 और जार्ज जे लेसी, जो कि संघीय जाँच विभाग के शीर्ष, ऊँगलीयों के निशानो और कागजातों के लिये थे, और ऐसी ही बातों के लिये थे, सारे संसार में उन महानतम व्यक्तियों में से थे, उसको वहाँ पर लाया गया और दो दिनो तक उसको कैमरे से, उजियालों से, और सभी चीजों से परखा गया। और जब हम उस दोपहर को आये, उन्होंने कहा, ''आदरणीय ब्रन्हम, मैं भी आपका आलोचक रहा हूँ।'' उन्होंने कहा, ''और मैंने कहा था कि यह मनोविज्ञान है, किसी ने कहा था कि उन्होंने उजियालों को और उस प्रकार की चीजों को देखा है।'' और कहा, ''आप जानते हैं, बूढ़ा पाखंडी इस बात को कहा करता था'' (उनका मतलब अविश्वासीयों से था) ''वे तस्वीरें जो कि चारों ओर हैं, मसीह के सिर पर वह प्रकाश, और उसके संतों के चारों ओर,' उन्होंने कहा, ''वह बस साधारण रूप से मनोविज्ञान है।''' परन्तु कहा, ''आदरणीय ब्रन्हम, इस कैमरे की मशीनी आँख मनोविज्ञान को नहीं लेगी! प्रकाश लेन्स से टकराया है, या निगेटिव से टकराया है, और वहाँ पर वह था।'' और उन्होंने कहा...

273 मैंने इस चीज को उनके पास जमा करवा दिया। उन्होंने कहा, ''ओह श्रीमान, क्या आप जानते हैं कि उस चीज की क्या कीमत है?''

और मैंने कहा, ''मेरे लिये नहीं भाई, मेरे लिये नहीं'' और अतः उन्होंने कहा...

274 ''क्योंकि, जब तक आप जीवित हैं, यह बात कभी कार्यान्वित नहीं होगी; परन्तु किसी दिन, यदि सभ्यता आगे बड़ती है और मसीहयत बनी रहती है, इस प्रकार कि कोई बात घटित होगी।''

275 अतः मित्रों, आज रात्रि, यदि पृथ्वी पर यह हमारी अंतिम सभा है, आप और मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थित में बैठे हैं। मेरी गवाही सत्य है। बहुत सारी, बहुत सारी बातें हैं, इस बात को लिखने में पुस्तकों के बहुत सारे भाग लग जायेंगे, परन्तु मैं चाहता हूँ कि आप जान जायें।

276 आप में से कितने ऐसे हैं जिन्होंने बिना तस्वीर के वास्तव में स्वयं उजियाले को उस स्थान पर खड़ा देखा है जहाँ पर मैं प्रचार कर रहा होता हूँ? अपने हाथों को उठायें, सारे भवन में सभी ओर, किसी ने कभी उसे देखा है। देखिये, लगभग आठ या दस हाथ हैं जो कि यहाँ पर बैठे हुये हैं।

277 आप कहते हैं, ''क्या–क्या वे देख सकते हैं और मैं नहीं देख सकता हूँ?'' जी हाँ श्रीमान।

278 वह–वह सितारा जिसका अनुकरण मजूसी कर रहे थे, हर एक वेधशाला के ऊपर से होकर गुजरा था। उनके अलावा किसी ने उसे नहीं देखा था। वे ही केवल थे जिन्होंने उसे देखा था।

279 एल्लियाह वहाँ पर खड़ा हुआ उन सब आग से भरे हुये रथों को देख रहा था, और सभी कुछ देख रहा था। और गेहजी ने चारों ओर देखा, वो उनको कहीं पर भी नहीं देख पा रहा था। परमेश्वर ने कहा, ''उसकी आँखों को खोल दो ताकि वह देख सके।'' और फिर उसने उन्हें देखा, समझे। परन्तु वह एक अच्छा लड़का था, वहाँ पर खड़ा होकर चारों ओर देख रहा था, परन्तु वह उस को नहीं देख सकता था। निश्चित रूप से। यह कुछ के लिये दिया जाता है किं वे देखें, और कुछ को नहीं। और यह सत्य बात है।

280 परन्तु अब आप जिन्होंने इसे कभी नहीं देखा है, उस चीज को कभी नहीं देखा है, और आप जिन्होंने उसको अपनी स्वाभाविक आँख से इसे देखा है और तस्वीर में कभी नहीं देखा है, फिर भी वे जो कि तस्वीर को देखते हैं, उनके पास आप लोगों की से भी बड़ा प्रमाण है जिन्होंने उसको स्वाभाविक आँख के द्वारा देखा है। क्योंकि आप, अपनी स्वाभाविक आँख के द्वारा, गलती कर सकते हैं, हो सकता है कि वह दृष्टिभ्रम हो। क्या यह ठीक बात है? परन्तु वह दृष्टिभ्रम नहीं है, वह सच्चाई है, जहाँ पर वैज्ञानिक शोधकार्य इस बात को बताता है कि वह सत्य बात है। अतः प्रभु यीशु ने यह किया था।

''तब आप क्या सोचते हैं कि वह है,'' आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम?''

281 मैं यह विश्वास करता हूँ कि यह वही आग का खंबा है जिसने इस्त्राएल की संतानो की अगुवाई मिस्त्र से लेकर पलिश्तीन देश तक की थी। मैं यह विश्वास करता हूँ कि यह वही उजियाले का स्वर्गदूत है जो कि बंदीगृह में—में आया था और संत पतरस के पास में आया था और उसे छूआ था, और आगे जाकर द्वार को खोला था और उसे बाहर उजियाले में रख दिया था। और मैं विश्वास करता हूँ कि यह यीशु मसीह है जो कि कल, आज और सर्वदा एक सा है। आमीन! वह आज वही यीशु है जो कि वह कल था। वह हमेशा के लिये वही यीशु रहेगा।

282 और जबकि मैं इस विषय में बातचीत कर रहा हूँ, वही उजियाला जो कि उस तस्वीर पर है....वह ठीक इस स्थान से जहाँ पर मैं खड़ा हुआ हूँ, दो फीट की दूरी पर भी नहीं खड़ा हुआ है। यह ठीक बात है। मैं अपनी—अपनी आँखों से उसको देख नहीं सकता हूँ, परन्तु मैं जानता हूँ कि वह यहाँ पर खड़ा हुआ है। मैं जानता हूँ कि वह ठीक अभी मेरे अन्दर आकर ठहर रहा है। ओह! यदि आप केवल उस फर्क को जानते जब सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ आती है, औरे कैसे कि चीजें फर्क दिखने लगती हैं।

283 यह किसी को भी चुनौती है। मैं किसी भी बिमार व्यक्ति के लिये प्रार्थना करने नहीं जा रहा था, मैं एक प्रतिज्ञा करने जा रहा था। परन्तु दर्शन लोगों के ऊपर रूके हुये हैं। ऊँह। परमेश्वर इस बात को जानता है। मैं किसी प्रार्थना पंक्ति को बुलाने नहीं जा रहा था, मैं आपको वहाँ पर बैठे हुये छोड़ देना चाहता हूँ। आप में से कितनों के पास प्रार्थना कार्ड नहीं हैं? अपने हाथों को उठायें, कोई ऐसा जिसके पास प्रार्थना कार्ड नहीं हैं, जिसके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है।

284 वहाँ पर अश्वेत महिला बैठी हुयी है, मैं आपके हाथ को ऊपर उठा हुआ देख रहा हूँ। क्या यह ठीक बात है? आप बस खड़े हो जायें ताकि मैं आपको एक मिनट के लिये व्यक्तिगत रूप से देख सकूं। मैं यह नहीं जानता हूँ कि पवित्र आत्मा क्या कहेगा, परन्तु आप मेरी ओर बहुत अधिक इमानदारी से देख रही हैं। आप के पास कोई प्रार्थना कार्ड नहीं है? यदि सर्वशक्तिमान परमेश्वर मुझपर यह प्रगट कर देगा कि आपकी क्या परेशानी है... मैं बस यह शुरूआत करने के लिये कर रहा हूँ, बस आरंभ करने के लिये। क्या आप मेरा विश्वास...के रूप में करती हैं। आप जानती हैं कि कुछ नहीं है...कि मेरे विषय में एक भी अच्छी बात नही है। यदि आप एक विवाहित स्त्री हैं, मैं आपके पति की तुलना में उनसे ज्यादा कुछ नहीं हूँ। मैं बस एक व्यक्ति हूँ। परन्तु यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, और उसने अपनी आत्मा को इन बातों को प्रमाणित करने के लिये भेजा है।

285 यदि परमेश्वर मुझे यह बतायेगा कि आप के साथ में क्या गलत है(और आप जानती हैं कि मेरे पास कोई तरीका नहीं है कि मैं आपसे कोई संपर्क कर सकूं), क्या आप अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करेंगी? (बहन टिप्पणी करती है—संम्पा) परमेश्वर आपको आशीष दे। फिर आपका बड़ा हुआ रक्त चाप आपको छोड़ कर जा चुका है। यही वह बात थी जो कि आपको थी। क्या वह बात ठीक है? फिर आप बैठ जायें।

286 आप बस उस बात का विश्वास एक बार कर लें! मैं किसी भी व्यक्ति को यह चुनौती दूता हूँ कि वह इस बात का विश्वास करे।

287 यहाँ पर देखें, मुझे आपको कुछ बताने दें। मारथा, प्रभु यीशु के पास आ रही थी। उस बरदान ने कभी भी कार्य नहीं किया होता... और पिता ने उसे पहले ही दिखा दिया था कि वह क्या करने जा रहा है। उस बात ने कभी भी कार्य नहीं किया होता। परन्तु उसने कहा, ''प्रभु, मैं...यदि तू यहाँ पर होता, मेरा भाई कभी नहीं मरता।'' कहा, ''परन्तु मैं अब जानती हूँ कि अभी भी जो भी कुछ तू पिता से माँगेगा, परमेश्वर तुझे वह दे देगा।''

288 उसने कहा, ''मैं ही पुनुरूत्थान और जीवन हूँ, वह जो कि मुझपर विश्वास करता है, चाहे वह मर भी जाये, फिर भी वह जीयेगा। और जो कोई भी जीवता है और मुझपर विश्वास करता है वह कभी नहीं मरने पायेगा। क्या तू इस बात का विश्वास करती है?''

289 सुनिये कि उसने क्या कहा। उसने कहा, ''हाँ प्रभु। मैं यह विश्वास करती हूँ कि वह हर एक बात जो कि तूने कही है वह सत्य है। मैं यह विश्वास करती हूँ कि तु परमेश्वर का पुत्र है जो कि इस संसार में आया है।'' यह उसका नम्रतापूर्वक आना था।

महिला, आप को एक अलग प्रकार का अनुभव हो रहा है, क्या नहीं हो रहा है? हाँ। यह ठीक बात है।

290 छोटी महिला जो कि वहाँ पर बैठी हुयी है, वहाँ पर आपके पास में, आपको जोड़ों का दर्द है और स्त्री रोग है। क्या यह ठीक है, महिला? आप बस एक मिनट के लिये खड़ी हो जायें, वह छोटी महिला जिसने लाल वस्त्र पहन रखा है। आप इतनी नजदीक थी, दर्शन आपके पास आया है। जोड़ों का दर्द, स्त्री रोग। क्या यह ठीक है? और यहाँ पर आपके जीवन में कुछ है(आप को है—आपको बहुत अच्छी तरह से देखा है): आपके जीवन में बहुत चिन्ता है, बहुत सारी परेशानी है। और वह परेशानी आपके प्रियजन के लिये है, यह आपका पति है। वह शराबी है। वह गिरजे नहीं जाता है। परमेश्वर आपको आशीष दे महिला। आप चंगी हो चुकी हैं, यह प्रकाश को आपके चारों ओर जा रहा है।

291 वह मनुष्य जो कि उस व्यक्ति के ठीक बगल में बैठा हुआ है। आप श्रीमान, क्या आप विश्वास करते हैं? (भाई कहता है, "मैं करता हूँ।"—संम्पा) अपने संपूर्ण हृदय से?("हाँ श्रीमान") आप ने अपनी एक चेतना को खो दिया है। यह है आपकी सूंघने की चेतना। क्या यह ठीक बात है? यदि ऐसा है, तो अपने हाथ को हिलायें। ("यह ठीक बात है।") अपने हाथ को अपने मुँह के पास लायें, इस प्रकार से, कहें, "प्रभु यीशु, मैं आपका संपूर्ण हृदय से विश्वास करता हूँ।" (प्रभु यीशु, मैं आपका संपूर्ण हृदय से विश्वास करता हूँ।") परमेश्वर आपको आशीष दे। आप को अपनी चंगाई प्राप्त हो जायेगी।

292 परमेश्वर में विश्वास रखें! आप सभी उस बात के विषय में क्या सोचते हैं, जो कि यहाँ पर अन्दर है? क्या आप विश्वास करते हैं? आदरयुक्त बने रहें!

293 वहाँ ठीक उस कोने में एक महिला बैठी हुयी है। मैं उस उजियाले को उसके ऊपर रूका हुआ देख रहा हूँ। यही केवल वह तरीका है जिससे मैं उस बात के विषय में बता पाता हूँ, जो उजियाला ऊपर रूक जाता है। यह उजियाला ठीक यहाँ पर उस महिला के ऊपर रूका हुआ है। शायद बस एक मिनट में, यदि मैं यह देख पाता हूँ कि वह क्या बात है। यह आयेगा... वह महिला हृदय रोग से पीढ़ित है। वह ठीक मेरी ओर देख रही है।

294 और उसका पति उसके ठीक बगल में बैठा हुआ है। और उसके पति को कुछ बिमारी है, वह बस बिमार रहा है, परेशान रहा है, बिमार रहा है। क्या यह ठीक है, श्रीमान? यदि यह यच है तो अपने हाथ को ऊपर उठायें। यह ठीक बात है, यह आप हैं महिला, जिन्होंने वह छोटा सा स्कार्फ वहाँ पर पहना हुआ है। श्रीमान, क्या यह ठीक है? क्या आप आज बस एक प्रकार से परेशान थे? आपको पेट की तकलीफ है, उस व्यक्ति को। यह ठीक बात है।

295 आप सभी अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करते हैं, आप दोनो

करते हैं? क्या आप इस बात को ग्रहण करते हैं? श्रीमान, मैं आपको बताता हूँ, आपको भी, मैं आपको अपने हाथ को ऊपर उठाये देख रहा हूँ, आप को धूम्रपान करने की आदत है। आप उस बात को करना छोड़ दें। आप सिगार पीते हैं, आप को वैसा नहीं करना चहिये, यह आपको बीमार कर देता है। क्या यह ठीक बात नहीं है? यदि यह है, तो इस प्रकार से अपने हाथ को हिलायें। यही वह बात है जो कि आपको परेशान कर रही है। यह आपकी स्नायु के लिये बुरा है। उस घिनौनी चीज को दूर फेंक दें और उस बात को और अधिक न करें, और आप उस बात के ऊपर जय पा जायेंगे और ठीक हो जायेंगे, और आपकी पत्नी का हृदय रोग उसको छोड़ कर चला जायेगा। क्या आप उस बात का विश्वास करते हैं? क्या यह ठीक बात है? मैं आपको यहाँ से देख नहीं सकता हूँ, और आप उस बात को जानते हैं, परन्तु आप की जेब में ... सामने वाली जेब में सिगार लिये हुये हैं। यह ठीक बात है। उन चीजों को बाहर निकाल लें और उन्हें अपनी पत्नी को दे दें, आप परमेश्वर को बता दें कि आपने उस प्रकार की चीज़ को लेना छोड़ दिया है, आप अच्छे होकर घर जायेंगे, आप और आपकी पत्नी अच्छे हो जायेंगे। प्रभु यीशु के नाम आशीषित हो!

क्या आप अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करते हैं?

296 यह स्त्री जो कि यहाँ पर बैठी हुयी है और मेरी ओर देख रही है। आप जो कि वहाँ पर...उस आगे वाली सीट पर हैं, ठीक यहाँ पर बैठे हुये हैं। एक छोटी स्त्री जिसके पास...मेरी ओर देख रही है, ठीक वहाँ पर बैठी हुयी है। आप नहीं... महिला, आप के पास पास में प्रार्थना कार्ड है, आप जो कि ठीक वहाँ पर हैं? आप के पास कोई प्रार्थना कार्ड नहीं है? क्या आप अपने संपूर्ण हृदय के साथ में विश्वास करती हैं? क्या आप विश्वास करती हैं कि यीशु मसीह आप को चंगा कर सकता है?

297 आप जो कि उसके पास बैठी हुयी हैं, आप उस बात के विषय में क्या सोचती हैं? महिला, क्या आप के पास में प्रार्थना कार्ड है? आप के पास नहीं है? आप भी ठीक होना चाहती हैं? क्या आप फिर से वैसे

ही नहीं खाना खाना चाहेंगी जैसे कि आप खाया करती थीं, आप को पेट की तकलीफ है? क्या आप यह विश्वास करती हैं कि यीशु मसीह आप को अभी चंगा करता है? यदि आप यह विश्वास करती हैं कि यीशु ने आप को आपको अभी चंगा किया है तो आप खड़ी हो जायें। आप के पेट में छाला है, क्या आप को नहीं है? यह अधीर होने के कारण हुया है। आप बहुत समय से अधीर रही हैं। विशेषकर अम्ल और वे चीजे हैं, या मेरा मतलब है कि यह बात अम्ल को पैदा करती है, और यह आपके दातों को संवेदनशील कर देता है जब कि आप अपने मुँह के अन्दर खाने को लेती हैं। यह सच बात है। जी हाँ श्रीमान। यह पेट का छाला है, यह आपके पेट के निचले हिस्से में था। कभी–कभी जब आप टोस्ट के साथ में मख्खन को लेती हैं तो उससे जलन होती है। यह ठीक बात है? मैं आपके मस्तिष्क को नहीं पढ़ रहा हूँ, परन्तु पवित्र आत्मा अचूक होता है। आप अभी चंगी हो चुकी हैं। घर जाइये और ठीक हो जाइये।

298 आप जो कि पीछे की ओर हैं आप को क्या बात है? आप में कुछ ने जिनके पास प्रार्थना कार्ड नहीं था, हाथों को उठाया था। कोई ऐसे थे जिनके पास प्रार्थना कार्ड नहीं थे। ठीक है, आदरयुक्त रहें, अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करें। ऊपर बालकनी के विषय में क्या बात है? परमेश्वर में विश्वास करें।

299 मैं इस बात को स्वयं नहीं कर सकता हूँ, यह केवल उसका परम अनुग्रह है। क्या आप विश्वास करते हैं? जैसे वह मुझे दिखाता है, मैं वैसे ही बोल सकता हूँ। जैसा आपका विश्वास...मैं यह बात आपके विश्वास को हिलाने के लिये कह रहा हूँ, तब फिर आप देखें कि वह मेरी अगुवाई किस ओर करता है। क्या आप को इस बात का अहसास कि यह आपका भाई नहीं है? आप उसकी उपस्थिति में खड़े हैं। यह मैं नहीं हूँ जो कि इस बात को कर रहा हूँ, यह आपका विश्वास है जो कि इसे चला रहा है। मैं इस बात को चला नहीं सकता हूँ। यह आपका विश्वास है जो कि इसे कर रहा है। मेरा इस बात को करने का कोई तरीका नहीं है। बस एक मिनट।

300 इस कोने में मैं एक अश्वेत व्यक्ति को बैठे हुये देख सकता हूँ, वह एक प्रकार से बूढ़े व्यक्ति हैं जिन्होंने चश्मा पहना हुआ है। श्रीमान, क्या आप के पास में प्रार्थना कार्ड है? आप अपने पैरों पर एक मिनट के लिये खड़े हो जायें। क्या आप अपने संपूर्ण हृदय से मेरा विश्वास परमेश्वर के दास के रूप में करते हैं? आप किसी और के विषय में सोच रहे हैं, क्या आप नहीं कर रहे हैं? यदि यही सच बात है, अपने हाथ को हिलायें। यह इसलिये नहीं हैं कि यह मैं हूँ, जो कि आपका भाई हूँ। अब, आप के पास प्रार्थना कार्ड नहीं हैं। आप का पंक्ति में आने का कोई तरीका नहीं है क्योंकि आप के पास प्रार्थना कार्ड नहीं है। अब, यदि आप में से किसी के पास प्रार्थना कार्ड हैं, आप खड़े नहीं–नहीं–नहीं–नहीं हों, समझे, क्योंकि आपको पंक्ति में आने का मौका मिलेगा।

301 परन्तु मै उस प्रकाश को ठीक उसके ऊपर रूकते हुये देख रहा हूँ। अभी तक दर्शन नहीं आया है। भाई, मैं आपको चंगा नहीं कर सकता हूँ, मैं नहीं कर सकता हूँ। केवल परमेश्वर ही कर सकता है। परन्तु आप–आप–आप–के पास विश्वास है। आप विश्वास कर रहे हैं। और कुछ बात है, उसने इस बात को किया है, किसी प्रकार से हुआ है।

302 यदि सर्वशक्तिमान इस व्यक्ति को बता दे कि उसकी परेशानी क्या है, क्या आप बाकि सभी अपनी चंगाई को प्राप्त कर लेंगे? एक व्यक्ति है, जो कि मुझसे ठीक दस या पन्द्रह गज की दूरी पर खड़ा हुआ है, मैंने उसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा है। वह बस एक व्यक्ति है जो कि यहाँ पर खड़ा हुआ है। यदि सर्वशक्तिमान परमेश्वर इस बात को प्रगट कर देगा कि इस व्यक्ति के साथ में क्या परेशानी है, आप में से हर एक व्यक्ति को यहाँ से बाहर चंगा होकर जाना चाहिये। परमेश्वर इससे अधिक और क्या कर सकता है? क्या यह सच बात है?

303 श्रीमान, आपके साथ में कुछ गलत नहीं है। आप कमजोर हैं, आप रात में थोड़ा सा जाग जाते हैं, प्रास्ट्रेट और ऐसी ही चीजे हैं, परन्तु यह आपकी तकलीफ नहीं है। आपकी परेशानी आपके लड़के के विषय में है। और आप का लड़का किसी प्रकार के राज्य की संस्था में है और

उसका व्यक्तित्व दोहरा है। क्या यह ठीक है? यदि यह सच बात है तो अपने हाथ को हिलायें। यह बिलकुल ठीक बात है।

304 आप में से कितने इस बात का विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह जो कि परमेश्वर का पुत्र है यहाँ पर खड़ा हुआ है? आइये हम खड़े हो जायें और उसे महिमा दें और अपनी चंगाई को ग्रहण करें।

305 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जीवन के कर्ता, हर एक अच्छी चीज के देने वाले, आप यहाँ पर हैं, आप वही प्रभु यीशु मसीह हैं, कल, आज और सर्वदा एक से हैं।

306 और शैतान, तूने इन लोगों से बहुत अधिक समय से झूठ बोलता आया है, उन लोगों में से बाहर आ जा! मैं तुझे जीवित परमेश्वर के द्वारा, जिसकी उपस्थिति यहाँ पर आग के खंबे के रूप में है, आज्ञा देता हूँ, इन लोगों को छोड़ दे! और यीशु मसीह के नाम में उन लोगों में से बाहर आ जा!

307 आप में हर एक अपने हाथों को ऊपर उठाये और परमेश्वर की महिमा करें, और अपनी चंगाई को प्राप्त करें, आप में से हर एक। (सभा परमेश्वर की महिमा करती है—संम्पा)

कैसे स्वर्गदूत मेरे पास आया,
और उसका कार्याधिकार

55 - 0117

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश रविवार की शाम, जनवरी 17, 1955 को,शिकागो, ईलेनौइ में दिया गया। भाई ब्रन्हम के द्वारा दिये गया यह संदेश मूलतः *समय की रेत पर बनाये गये पद्चिन्ह* नामक पुस्तक में 1975 में छापा गया था। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक–ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं, और बिना किसी काँट–छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा निःशुल्क बाँटा जाता है।

यह पुस्तक विश्वासियों के द्वारा स्वेच्छा से दिये गये दानों के द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O.BOX 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.

India Office

No. 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034. South India.
Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org